■ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी..

# बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-10 अंक-29

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 18 अगस्त 2025

फतेहपुर मे मजार तोड़ने की पीडीए टीम ने कटु निंदा की 7 | मोदी सरकार में मजदूरों के लिए कोई लाभकारी योजना नहीं लागू की 8

# कठुआ में बादल फटने और भूस्खलन से 7 की मौत

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में रविवार तड़के बादल फटने और भूस्खलन की दो अलग-अलग घटनाओं में पांच बच्चों समेत चार परिवारों के सात सदस्यों की मौत हो गई, जबकि कई घायल हो गये। अधिकारियों ने बताया कि बादल फटने से प्रभावित जोध घाटी गांव में एक व्यक्ति और उसके दो नाबालिग बेटों समेत पांच लोगों की जान गई। गांव तक पहुंचने का रास्ता बंद हो गया और कई कच्चे घरों को नुकसान पहुंचा। वहीं, जंगलोट के बागरा गांव में बारिश के कारण हुए भूस्खलन में मां-बेटी की भी मौत हो गई। सेना ने जोध घाटी से छह घायलों को अस्पताल पहुंचाया।बादल फटने के बाद जम्मू-पठानकोट रेल मार्ग पर यातायात बाधित हो गया, जिसके कारण लोकल ट्रेनों को रद्द कर दिया गया और कुछ को बीच में ही रोक दिया गया।उधर, किश्तवाड़ जिले के चिशोती गांव में बादल फटने की घटना के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 61 हो गयी। लापता लोगों की तलाश के लिए शुरू किया गया अभियान रविवार को चौथे दिन भी जारी रहा।

# मुंबई हवाई अड्डे पर उतरते समय इंडिगो के विमान का पिछला हिस्सा जमीन से टकराया, जांच के आदेश

मुंबई। मुंबई हवाई अड्डे पर शनिवार को उतरते समय बैंकॉक से मुंबई आए इंडिगो के यात्री विमान का पिछला हिस्सा जमीन से टकरा गया जिसके चलते विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि 'एयरबस ए 321 नियो' के दोनों पायलट को जांच पूरी होने तक विमान से हटा दिया गया है। इंडिगो के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, ''मुंबई में 16 अगस्त को प्रतिकूल मौसम के कारण कम ऊंचाई पर उड़ान भरते समय इंडिगो के एयरबस ए 321 विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया।''

उड़ान की स्थिति की जानकारी देने वाली एक वेबसाइट 'फ्लाइटरडार24डॉट कॉम' के अनुसार, एयरलाइन की उड़ान 6ई 1060 अपने निर्धारित प्रस्थान समय रात 11.40 बजे (स्थानीय समय) के बजाय रात 12.12 बजे (स्थानीय समय) बैंकॉक से रवाना हुई और अंततः अपने निर्धारित आगमन समय सुबह 2.50 बजे के बजाय सुबह 3.04 बजे मुंबई हवाई अड्डे पर उतरी।

एयरलाइन ने कहा, ''विमान ने दो बार उतरने की कोशिश की और सुरक्षित रूप से उतर गया।'' नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''हम इस घटना की जांच करेंगे।''भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, शुक्रवार सुबह 8.30 बजे से शनिवार सुबह 5.30 बजे के बीच मुंबई के कई हिस्सों में 200 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। सूत्रों के अनुसार, शनिवार को आधी रात से सुबह छह बजे के बीच मुंबई हवाई अड्डे पर कुल

15 बार विमानों को दोबारा उतरने की कोशिश करनी पड़ी, जिनमें इंडिगो का वह विमान भी शामिल है जिसका पिछला हिस्सा ज़मीन से टकरा गया।सूत्रों ने बताया कि एअर इंडिया और इंडिगो की एक-एक उड़ान को मार्ग परिवर्तित करके दूसरे हवाई अड्डों पर भेजा गया और बाद में उन्हें फिर से मुंबई में उतारा गया। इंडिगो ने एक बयान में कहा कि मानक प्रोटोकॉल का पालन करते हुए विमान का संचालन फिर से शुरू करने से पहले आवश्यक जांच/मरम्मत और नियामकीय मंजूरी ली जाएगी।

# बिहार से राहुल गांधी की हुंकार, भाजपा पर साधा निशाना, बोले- चुनाव चुराए जा रहे हैं

बिहार। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को बिहार के सासाराम से अपनी मतदाता अधिकार यात्रा शुरू की। इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर देश में चुनाव चुराने का आरोप लगाया।

सासाराम में जनता को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, मैं इस मंच से आपको बता रहा हूं कि पूरे देश में विधानसभा और और लोकसभा के चुनाव चुराए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा की ताज़ा साज़िश बिहार में एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) के बहाने यहां के चुनाव चुराने की है। राहुल ने दावा किया, हम उन्हें यह चुनाव नहीं चुराने देंगे।

उन्होंने कहा कि अब पूरा देश जान चुका है कि चुनाव आयोग क्या कर रहा है। राहुल के मुताबिक, पहले लोगों को यह नहीं पता था

कि वोट कैसे चुराए जा रहे हैं, लेकिन उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इस सच्चाई को सबके सामने ला दिया है।राहुल गांधी ने कहा कि

उन्हें यकीन है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सही मायनों में जाति जनगणना नहीं करवाएंगे। हालांकि, उन्होंने भरोसा दिलाया कि इंडिया ब्लॉक देश में सही मायने में जाति जनगणना सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा, हम वोट चोरी पर रोक लगाएंगे और एफआईआर की सच्चाई उजागर करेंगे। राहुल गांधी ने इस मौके पर राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, लालू जी, डॉक्टर की सलाह के बावजूद यहां आने के लिए आपका तहे दिल से शुक्रिया।इसी कार्यक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, वह बहुत खतरनाक आदमी हैं। जब तक आप उन्हें सत्ता से नहीं हटाएंगे, आपके वोट, अधिकार, आज़ादी और यहां तक कि संविधान भी सुरक्षित नहीं रहेगा। खड़गे का यह बयान मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान भाजपा के खिलाफ एक बड़ा राजनीतिक हमला माना जा रहा है। इस यात्रा का मकसद आने वाले बिहार विधानसभा चुनावों से पहले महागठबंधन की ताकत दिखाना और जनता को संगठित करना है।

# हरियाणा में कैदियों को मिलेगी समाजसेवा की 'सजा'

हरियाणा सरकार ने न्याय प्रणाली में सुधार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 'सामुदायिक सेवा दिशानिर्देश, 2025' लागू किए हैं। इसके तहत कुछ मामलों में अपराधियों को जेल भेजने के बजाय समाजोपयोगी कार्य करने का अवसर मिलेगा। उन्हें गलती सुधारने और समाज की मुख्य धारा में लौटने का मौका मिलेगा।गृह एवं न्याय प्रशासन की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने इन दिशानिर्देशों को लागू करने के आदेश जारी किए हैं। नयी नीति के तहत न्यायाधीशों को विवेकाधिकार होगा कि वह पहली बार अपराध करने वालों को कारावास के बजाय समाज सेवा का आदेश दें।

निर्देशों के तहत मुख्यालय की ओर से समाज सेवाओं को भी चिह्नित किया गया है। जेलों में बंद कैदी एवं बंदी, नदियों के किनारे पेड़ लगाने, ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में लोगों की मदद करने, विरासत (ऐतिहासिक) स्थलों का संरक्षण, सार्वजनिक पार्कों की सफाई और स्वच्छ भारत अभियान जैसे जनकल्याण कार्यक्रमों में भागीदारी कर सकेंगे। कार्य का चयन अपराधी की उम्र, स्वास्थ्य और कौशल के आधार पर होगा, ताकि यह उनके लिए व्यक्तिगत रूप से सार्थक एवं समाज के लिए लाभकारी बन सके।डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि इस नीति से जेलों में भीड़ घटेगी और सुधारात्मक सुविधाओं पर दबाव कम होगा। वहीं, समुदायों को प्रत्यक्ष रूप से ठोस सुधार का लाभ मिलेगा। अपराधियों की गतिविधियों की प्रगति रिपोर्ट अदालतों को भेजी जाएगी, जिससे न्यायिक अधिकारी वास्तविक समय में निगरानी कर सकेंगे।दिशानिर्देशों में विशेष श्रेणियों के लिए अलग प्रावधान हैं। किशोरों को एनसीसी प्रशिक्षण, स्किल वर्कशॉप और पर्यावरण परियोजनाओं में लगाया जाएगा, ताकि उनमें अनुशासन और उद्देश्य की भावना विकसित हो। महिला अपराधियों को नारी निकेतन, आंगनवाड़ी केंद्रों, प्रसूति वार्ड और बाल देखभाल सुविधाओं जैसी जगहों पर सेवा का अवसर मिलेगा।

# भारत लौटे शुभांशु शुक्ला का जोरदार स्वागत, पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की अपनी ऐतिहासिक यात्रा के बाद रविवार तड़के भारत लौटने पर जोरदार स्वागत किया गया। यहां हवाई अड्डे पर बड़ी संख्या में लोगों ने तिरंगा लहराते हुए और ढोल बजाते हुए शुक्ला का भव्य स्वागत किया। शुक्ला का हवाई अड्डे पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने स्वागत किया। शुक्ला ने सिंह द्वारा हवाई अड्डे पर स्वागत करने के बाद पोस्ट किए गए एक संदेश के जवाब में 'एक्स% पर लिखा, 'धन्यवाद महोदय। घर वापस आकर निश्चित रूप से अच्छा लग रहा है।%शुक्ला की पत्नी कामना और बेटा कियाश भी अंतरिक्ष उड़ान के लिए अमेरिका में लगभग एक वर्ष तक प्रशिक्षण लेने के बाद उनके घर लौटने पर स्वागत करने के लिए हवाई अड्डे पर मौजूद थे। ढोल-नगाड़ों की गूंज के साथ शुक्ला का स्वागत करने के लिए इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तिरंगा लहराते हुए भारी भीड़ जमा हुई थी। सरकार ने शुक्ला की भारत वापसी के उपलक्ष्य में सोमवार को लोकसभा में 'अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री - 2047 तक विकसित भारत के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका% विषय पर विशेष चर्चा का प्रस्ताव रखा है।

शुभांशु शुक्ला 25 जून 2025 को एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरिक्ष में गए थे। वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 18 दिन रहे और 15 जुलाई को वापस लौटे। तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों - पैगी व्हिटसन (अमेरिका), स्लावोज उज़्नान्स्की-विस्नीवस्की (पोलैंड) और टिबोर कापू (हंगरी) के साथ शुक्ला ने 18 दिवसीय मिशन के दौरान कई प्रयोग किए। शुक्ला के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने और उसके बाद अपने गृहनगर लखनऊ जाने की उम्मीद है। उम्मीद है कि वह 22-23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह में भाग लेने के लिए राजधानी लौटेंगे।

# आरोप लगाने वाले शपथपत्र दें या देश से माफी मांगें:सीईसी

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने रविवार को राहुल गांधी सहित अन्य विपक्षी नेताओं द्वारा लगाए गए 'वोट चोरी' के आरोपों को खारिज करते हुए संविधान के प्रावधानों और चुनावी कानूनों की धाराओं का हवाला दिया। कुमार ने अपने 85 मिनट के संवाददाता सम्मेलन में कहा, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का उद्देश्य मतदाता सूचियों में सभी त्रुटियों को दूर करना है और यह गंभीर चिंता का विषय है कि कुछ दल इसके बारे में गलत सूचना फैला रहे हैं।

राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोपों पर पूछे गए सवालों के जवाब में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा, 'क्या निर्वाचन आयोग को शिकायतकर्ता द्वारा शपथपत्र दिए बिना 1.5 लाख मतदाताओं को नोटिस जारी करना चाहिए?' उन्होंने कहा कि अगर सात दिन के भीतर शपथपत्र नहीं दिया जाता, तो दावे निराधार और अमान्य माने जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि निराधार आरोप लगाने वालों को देश से माफी मांगनी चाहिए।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि कई दलों की शिकायतों और देश के भीतर मतदाताओं के प्रवास के मद्देनजर नवीनतम एसआईआर आवश्यक हो गया था। उन्होंने कहा, 'जाने-अनजाने में, प्रवास और अन्य समस्याओं के कारण कुछ लोगों के पास कई मतदाता पहचान पत्र हो गए... यह एक मिथक है कि बिहार में एसआईआर जल्दबाजी में किया गया। हर चुनाव से पहले मतदाता सूचियों में सुधार करना निर्वाचन आयोग का कानूनी कर्तव्य है।'

कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि निर्वाचन आयोग भेदभाव नहीं करता, उसके लिए सत्तारूढ़ और विपक्षी दल समान हैं। उन्होंने कहा कि दोहरे मतदान और वोट चोरी के निराधार आरोपों से न तो आयोग डरता है और न ही मतदाता। कुछ लोगों द्वारा खेली जा रही राजनीति की परवाह किए बिना आयोग सभी वर्गों के मतदाताओं के प्रति दृढ़ रहेगा। उन्होंने सवाल किया, 'चुनाव प्रक्रिया में एक करोड़ से ज्यादा कर्मचारी लगे हुए हैं। क्या इतनी पारदर्शी प्रक्रिया में वोट चोरी हो सकती है?'

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने यह भी कहा कि बिहार की मसौदा मतदाता सूची से हटाए गए नामों की सूची सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जिलाधिकारियों की वेबसाइटों पर डाल दी गई है।

# निर्वाचन आयोग के कंधों पर लोकतंत्र बचाने का ऐतिहासिक दायित्व -अखिलेश

निर्वाचन आयोग को सुधार ही नहीं, आमूलचूल परिवर्तन की अपरिहार्यता है। आज लोकतंत्र को बचाने का ऐतिहासिक दायित्व उसके कंधों पर है। माना उनके ऊपर कई प्रकार के अवांछित दबाव काम कर रहे हैं लेकिन वो ये न समझे कि वो अकेले हैं।समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि वर्तमान में लोकतंत्र को बचाने का ऐतिहासिक दायित्व निर्वाचन आयोग के कंधों पर है और जब आयोग सही रास्ते पर चल पड़ेगा तो करोड़ों भारतवासियों का साथ उनका रक्षा कवच बन जाएगा।यादव ने यहां जारी एक बयान में कहा कि आयोग का एक सही और साहसिक कदम देश की अनंत पीढ़ियों का भविष्य और कल्याण सुनिश्चित कर सकता है। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग को

सुधार ही नहीं, आमूलचूल परिवर्तन की अपरिहार्यता है। आज लोकतंत्र को बचाने का ऐतिहासिक दायित्व उसके कंधों पर है। माना उनके ऊपर कई प्रकार के अवांछित दबाव काम कर रहे हैं लेकिन वो ये न समझे कि वो अकेले हैं।यादव ने कहा, जब निर्वाचन आयोग सही रास्ते पर चल निकलेगा तो करोड़ों भारतवासियों का साथ उनका रक्षा कवच बन जाएगा। सत्य के मार्ग पर चलनेवालों के साथ जनता और जनविश्वास स्वयं चलने लगता है। निर्वाचन आयोग का एक सही और साहसिक कदम देश की अनंत पीढ़ियों का भविष्य और कल्याण सुनिश्चित कर सकता है। सबको अंतरात्मा की आवाज़ सुननी चाहिए।उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, समाजवादी पार्टी ने वोट की डकैती के 18 हजार शपथ पत्र भारत निर्वाचन आयोग को दिए लेकिन कार्रवाई सिफर रही।

बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से सभी देशवासियों को

जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं

सम्पादक (बी.पी.साहू)

मो.8423454502,

व्हाटसअप 9335908846

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें

www.bpsnews.in

## संपादकीय

### ऐसी नहीं आज़ादी

हमारे बीच वो पीढ़ी अपनों के सपनों का आकाश तलाश रही है, जिसने आजादी के लिये संघर्ष के त्रास को करीब से महसूस नहीं किया। सदियों वाली गुलामी की त्रासदी क्या होती है, पहले स्वतंत्रता दिवस पर देशव्यापी उल्लास के जुनून में इसकी झलक देखी जा सकती थी। निस्संदेह, बड़े जतन से हासिल किसी कामयाबी को वही व्यक्ति गहरे तक महसूस कर सकता है, जिसने उससे जुड़े त्रास को सहा हो। बेशक, इस आजादी की कीमत का अहसास नई पीढ़ी को होना चाहिए। लेकिन हाल के वर्षों में हम लोक-व्यवहार में ऐसी अराजकता देख रहे हैं, जो हमारी आजादी के दुरुपयोग की परिणति है। किसी भी आजादी का महत्व तभी तक है जब हम अपने व्यवहार में गरिमा, जिम्मेदारी व जवाबदेही का भाव लाएं। सार्वजनिक स्थलों, ट्रेन व बसों में खाद्य वस्तुओं-फलों के अवशेष तथा पेय पदार्थों की बोतलों के अंबार लगे होते हैं। जो बताते हैं कि हम अपनी आजादी का कितना दुरुपयोग कर रहे हैं। जब आप ट्रेन से सफर कर रहे हों तो देखेंगे कि तमाम लोग चीजें खाकर उनके रैपर, प्लास्टिक की थैलियां तथा कोल्ड ड्रिंक की खाली बोतलें खिड़की से बाहर फेंक देते हैं। प्लास्टिक का कचरा रेल की पटरियों में जहां-तहां बिखरा रहता है। आखिर कौन उठाएगा इस कचरे को? कमोबेश बस स्टेशनों और रेलवे स्टेशनों पर भी ऐसी स्थिति बनी रहती है कि लोग कूड़ा-दान बने होने के बावजूद कचरे को फर्श पर फेंक देते हैं। निश्चय ही इस बाबत जवाबदेही तय करने की जरूरत है। इसी तरह लोग सड़क पर चलती कार से प्लास्टिक का कचरा सड़क पर फेंक देते हैं। जाहिर है सारे रास्ते की नियमित सफाई नहीं होती। प्लास्टिक का सामान गलता नहीं है और सालों-साल वहीं पड़ा जीव-जंतुओं के लिये मुसीबत पैदा करता है। कमोबेश, हिल स्टेशनों पर भी पर्यटक बड़ी मात्रा में प्लास्टिक व अन्य कचरा पहाड़ों पर छोड़ आते हैं। जो जल स्रोतों व भूमि की उर्वरता को बाधित करता है। इसी तरह देश की जीवनदायिनी नदियां हमारे फेंके गए कचरे से बुरी तरह प्रदूषित हो गई हैं। आस्था की हमें आजादी है लेकिन पूजा के बचे सामान, मूर्ति विसर्जन तथा प्लास्टिक की थैलियों को नदियों में बहाने की हमें आजादी नहीं है। आज नदियों का पानी आचमन तो दूर, सिंचाई की दृष्टि से भी विषैला हो गया है। दिल्ली में यमुना नदी में विषैले रसायनों का उफनता झाग फैक्ट्री मालिकों की निरंकुश आजादी का दंश है, जो जहरीले रासायनिक अवशेषों को जीवनदायिनी नदियों में बहा देते हैं। आखिर शासन-प्रशासन कहां तक निगरानी करेगा। उन्हें जिम्मेदार नागरिक के रूप में देश, समाज व व्यक्ति तथा प्रकृति के हितों के बारे में भी सोचना होगा। अकसर समाज में नकली पनीर व दूध बिकने की खबरें आती हैं। कैसे निष्ठुर लोग हैं कि चंद सिक्कों के लिये दूसरों के जीवन से खिलवाड़ करने से नहीं चूकते। उन्हें मिलावट की आजादी नहीं है। यह आजादी का दुरुपयोग है। कहीं न कहीं आम जीवन में आजादी के लिये जिम्मेदारी का बोध नजर नहीं आता। देश की सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा की जवाबदेही हमारी स्वतंत्रता का ही हिस्सा है।

# समतामूलक समाज शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि

दशकों पूर्व हमारे क्रांतिवीरों ने स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में एक ऐसे भारत की संकल्पना की थी, जो विकसित एवं आत्मनिर्भर होने के साथ समतापरक भी हो। निस्संदेह, आत्मनिर्भरता व विकास के क्षेत्र में तो पिछले सात दशकों के दौरान देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। स्वतंत्रता सेनानियों का स्वप्न साकार करता भारत शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है लेकिन सर्वांगीण विकास के निहितार्थ आर्थिक समानता पर दृष्टि डालें तो निश्चय ही प्राप्त आंकड़े उम्मीदों पर पानी फेरते नज़र आएंगे। अप्रत्याशित विकास होने के बावजूद भारत में आर्थिक असमानता आज भी एक जटिल समस्या बनी हुई है। धन व आय के असमान वितरण में ग्राम्य-शहरी विभाजन से लेकर वर्ग-लिंग आधारित विषमताएं बराबर दृष्टिगोचर होती हैं।

ऑक्सफैम इंटरनेशनल की रिपोर्ट 'सर्वाइवल ऑफ द रिचेस्ट ‐द इंडिया स्टोरी' के अनुसार, भारत विश्व के सर्वाधिक असमान देशों में से एक है। भारत के 119 अरबपतियों की संपत्ति विगत दशक में लगभग दस गुना बढ़ गई

देश में असमानता कम करने की दिशा में प्राथमिकता के आधार पर काम किया जाए। ऐसा तंत्र तैयार किया जाए, जिसमें बेहतर स्वास्थ्य, अच्छी शिक्षा, यथोचित रोज़गार, न्याय तथा उन्नत-उत्कृष्ट तकनीक तक देश के प्रत्येक नागरिक की पहुंच संभव हो सके।

दशकों पूर्व हमारे क्रांतिवीरों ने स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में एक ऐसे भारत की संकल्पना की थी, जो विकसित एवं आत्मनिर्भर होने के साथ समतापरक भी हो। निस्संदेह, आत्मनिर्भरता व विकास के क्षेत्र में तो पिछले सात दशकों के दौरान देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। स्वतंत्रता सेनानियों का स्वप्न साकार करता भारत शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है लेकिन सर्वांगीण विकास के निहितार्थ आर्थिक समानता पर दृष्टि डालें तो निश्चय ही प्राप्त आंकड़े उम्मीदों पर पानी फेरते नज़र आएंगे। अप्रत्याशित विकास होने के बावजूद भारत में आर्थिक असमानता आज भी एक जटिल समस्या बनी हुई है। धन व आय के असमान वितरण में ग्राम्य-शहरी विभाजन से लेकर वर्ग-लिंग आधारित विषमताएं बराबर दृष्टिगोचर होती हैं।

ऑक्सफैम इंटरनेशनल की रिपोर्ट 'सर्वाइवल ऑफ द रिचेस्ट ‐द इंडिया स्टोरी' के अनुसार, भारत विश्व के सर्वाधिक असमान देशों में से एक है। भारत के 119 अरबपतियों की संपत्ति विगत दशक में लगभग दस गुना बढ़ गई, जबकि निर्धन उचित पारिश्रमिक पाने के लिए संघर्षरत हैं। रिपोर्ट के तहत, भारतवर्ष की कुल संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा, क़रीब 11.6 लाख करोड़ डॉलर शीर्ष 1 प्रतिशत अमीरों के पास है। 'क्रेडिट सुइस वेल्थ रिपोर्ट' तथा फोर्ब्स इंडिया के नवीनतम विश्लेषण पिछले एक दशक के दौरान भारतीय अरबपतियों की संख्या में 300 प्रतिशत से अधिक वृद्धि होने का खुलासा करते हैं, जबकि 50 प्रतिशत जनता की वास्तविक आय या तो स्थिर रही अथवा घट गई।

इसी प्रकार, 'ग्लोबल इनइक्वैलिटी रिपोर्ट' के मुताबिक़, भारत में शीर्ष 10 प्रतिशत लोग देश की कुल आय का लगभग 57 फ़ीसदी भाग प्राप्त करते हैं, जबकि निचले 50 प्रतिशत के हिस्से मात्र 13 प्रतिशत आय आती है। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अत्यधिक गरीबी में कमी आने के बावजूद धन-आय असमानता एक विचारणीय मुद्दा बना हुआ है। ग्रामीण अंचलों में बसे लोगों की औसत मासिक आय शहरी क्षेत्रों की तुलना में काफी कम है। महिलाओं को पुरुषों से कम मजदूरी मिलती है, कार्यबल में भी उन्हें कम प्रतिनिधित्व दिया जाता है। स्पष्ट शब्दों में, देश की आर्थिक विकास दर तीव्र होने के बावजूद लाभार्थियों की परिधि सिमट रही है।वर्ष 1991 में आरम्भ हुए आर्थिक सुधारों ने निजी पूंजी, कॉर्पोरेट घरानों और वैश्विक निवेश को खुला मंच दिया किंतु इसका प्रत्यक्ष लाभ उच्च तकनीकी, पूंजी तथा शिक्षा से संबद्ध वर्ग को मिला, श्रमिक अथवा ग्रामीण वर्ग इससे अछूता ही रहा। पिछले एक दशक के दौरान बीएसई-सेंसेक्स में जबरदस्त उछाल आने से अमीरों की संपत्ति तेज़ी से बढ़ी। 50 प्रतिशत से अधिक आबादी जो आय श्रम, कृषि तथा असंगठित क्षेत्र से आती है, के संदर्भ में वेतनवृद्धि लगभग नगण्य रही। वर्ष 2019 में सरकार द्वारा कॉर्पोरेट टैक्स 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत किए जाने पर अरबपति ही लाभान्वित हो पाए, गरीब तथा मध्यम वर्ग के लिए प्रत्यक्ष सहायता योजनाएं अपर्याप्त साबित हुईं।स्वास्थ्य, शिक्षा तथा स्वच्छता जैसी आधारभूत सुविधाओं की कमी आर्थिक असमानता बढ़ाने में प्रमुख कारण है। भारत की एक बड़ी आबादी असंगठित क्षेत्र में काम करती है, जहां आय व कार्य की स्थिति अनिश्चित होती है। शिक्षा व कौशल विकास की कमी बेहतर नौकरी व उच्च वेतनमान प्राप्त करने में बड़ी बाधा है। बढ़ती मुद्रास्फीति निर्धन वर्ग की क्रय शक्ति का ह्रास करती है। भारत में विरासत एवं संपत्ति कर लागू न होना भी आर्थिक असमानता बढ़ाता है।वास्तव में, यह विषमता देश के सामाजिक ताने-बाने के लिए बड़ी चिंता है। समाज के अधिकतर संसाधन कुछ लोगों के हाथ चले जाएं तो बाकी जनता हाशिए पर चली जाती है। अमीर-गरीब के मध्य बढ़ती खाई वर्गीय भेद उत्पन्न करके सामाजिक सौहार्द व राष्ट्रीय एकता को ठेस पहुंचाती है। आर्थिक अस्थिरता स्थायी होने का ख़तरा भी मंडराने लगता है।दरअसल, समस्यायों से समूल निपटान हेतु प्रभावी नीतियों की आवश्यकता है, जो न केवल धन तथा आय के समान वितरण पर केंद्रित हों बल्कि महिलाओं व हाशिये पर मौजूद समूहों के साथ होने वाला भेदभाव मिटाने में भी समर्थ हों। न्यूनतम वेतन बढ़ाकर श्रमिकों के अधिकार सुरक्षित करना, आर्थिक समर्थन प्रदान करते हुए निर्धन-वंचित वर्ग को अच्छी शिक्षा, बेहतर रोज़गार मुहैया करवाना, कृषि विकास को बढ़ावा देते हुए सुदूरवर्ती गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना इत्यादि आर्थिक असमानताओं से उबरने का सर्वोत्तम उपाय बन सकते हैं। उद्यमिता को बढ़ावा देने के साथ वित्तीय साक्षरता व निवेश की शिक्षा दी जाए तो लोग अपने धन का समुचित प्रबन्धन कर पाएंगे।देश की अर्थव्यवस्था का ढांचा सशक्त करने तथा आर्थिक विकास को मजबूत आधार प्रदान हेतु अनिवार्य है कि देश में असमानता कम करने की दिशा में प्राथमिकता के आधार पर काम किया जाए। ऐसा तंत्र तैयार किया जाए, जिसमें बेहतर स्वास्थ्य, अच्छी शिक्षा, यथोचित रोज़गार, न्याय तथा उन्नत-उत्कृष्ट तकनीक तक देश के प्रत्येक नागरिक की पहुंच संभव हो सके। आर्थिक अंतर कम होने पर ही हमारे शहीदों के ख़्वाबों में बसी समतामूलक समाज की अवधारणा मूर्तरूप ले पाएगी और यही होगी उनकी शहादत को सच्ची श्रद्धांजलि।दशकों पूर्व हमारे क्रांतिवीरों ने स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में एक ऐसे भारत की संकल्पना की थी, जो विकसित एवं आत्मनिर्भर होने के साथ समतापरक भी हो। निस्संदेह, आत्मनिर्भरता व विकास के क्षेत्र में तो पिछले सात दशकों के दौरान देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

# जनांदोलन से ही परमाणु हथियार मुक्त विश्व संभव

परमाणु हथियार अब साइबर व उपग्रह प्रणालियों पर निर्भर हैं। एक परमाणु-साइबर-स्पेस में यदि किसी भी बिंदु पर बनी रुकावट परमाणु हथियारों के आकस्मिक उपयोग या फिर मिथ्या चेतावनी समय से पहले जवाबी कार्रवाई का कारण बन सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग व निर्णय-प्रक्रिया में कम हो रहा मानवीय दखल, परमाणु खतरे को कहीं अधिक बढ़ा देगा।बीते दिनों जापान के दो शहर, हिरोशिमा और नागासाकी पर, क्रमशः 6 और 9 अगस्त, 1945 को हुए परमाणु बम हमले की 80वीं बरसी मनाई गई। इन बम विस्फोटों से जितनी भीषण मानवीय हानि हुई, वह हमलावरों द्वारा बमों को दिए गए मासूम नाम - लिटिल बॉय और फैट मैन - की क्रूर विडंबना से ही कम हो गयी थी। जिस विमान से बम गिराया गया था, उसके पायलट के लिए मानो 'यमराज के वाहन' को चलाना उसके जीवन का एक गौरवशाली क्षण था, तभी तो उसका नामकरण अपनी मां एनोला गे के नाम पर कर रखा था। जो दुष्टता की चरम सीमा थी।जैसे-जैसे साल बीतते गए, उन भयावह घटनाओं की यादें- वे पिघलते मानव शरीर और वाष्पीकृत हुए बदन, धमाके के चलते घड़ी की थम गई सुइयां, और मशरूम रूपी बादल का भयानक आतंक जो सर्वनाश का प्रतीक बन गया -वक्त के साथ धुंधली होती गईं। ऐसा होना नहीं चाहिए था। इतने विशाल स्तर और तीव्रता वाले सर्वनाश का खतरा एक व्यापक आत्मसंतुष्टि के तले दबता जा रहा है। युवा पीढ़ियां इस दुखद इतिहास से बहुत कम परिचित हैं, हालांकि यह सुनिश्चित करने के लिए उन्हें ही काम करना होगा कि यह प्रलयंकारी घटना फिर कभी न घटने पाए।यह सत्य है कि हिरोशिमा और नागासाकी के बाद से ही परमाणु हथियारों के इस्तेमाल करने को संयम बना रहा। परंतु इन परमाणु धमाकों के बाद की गई अनेकानेक आशावादी भविष्यवाणियों के विपरीत, परमाणु हथियार संपन्न देशों की संख्या मूल पांच (अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, फ्रांस और चीन) से बढ़कर आज 9 हो गई है (इस्राइल, भारत, पाकिस्तान और उत्तर कोरिया के जुड़ने से)। यह भी तथ्य है कि परमाणु हथियारों का वैश्विक भंडार मुख्यतः अमेरिका और रूस के शस्त्रागारों में है, जिनकी गिनती शीत युद्ध के दौरान रही अधिकतम 40,000 से घटकर आज लगभग 14,000 रह गई है, आज भी अमेरिका और रूस के भंडार सबसे बड़े हैं। यह आशा की किरण कही जा सकती है, लेकिन जब तक परमाणु हथियार मौजूद रहेंगे, परमाणु सर्वनाश का खतरा मंडराता रहेगा।चिंता की बात यह है कि परमाणु हथियार-मुक्त विश्व के आह्वान में नागरिक समाज की लामबंदी और सक्रियता का अभाव है। साल 1980 के दशक में, जब लेखक जिनेवा स्थित निरस्त्रीकरण समिति में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा था, तब यूरोप में परमाणु निरस्त्रीकरण को लेकर सबसे मुखर अभियान चला हुआ था। यहां तक कि महाबोधि सोसायटी अपने प्रमुख, फुजी गुरु के नेतृत्व में, परिषद कक्ष के बाहर खड़ी होकर शांति-मंत्र जपती रही, जो कि केवल एक जापानी कार्यकर्ता ही कर सकता था, दुनिया को यह याद दिलाने के लिए कि हिरोशिमा और नागासाकी परमाणु हथियार-मुक्त विश्व प्राप्ति में एक आवश्यक कारण बने रहें।बाद में, सदी के अंत में, मैं 'ग्लोबल ज़ीरो' नामक आंदोलन का हिस्सा था, जिसने परमाणु हथियारों से मुक्त दुनिया के लिए जुनून और दृढ़ता के साथ अभियान चलाया। इसका नेतृत्व ब्रूस जी ब्लेयर ने किया था, जो कभी अमेरिकी परमाणु कमान और नियंत्रण केंद्र का हिस्सा रहे थे और परमाणु शांति की नाजुकता को अच्छी तरह समझते थे। ब्लेयर का 2020 में निधन हो गया और इस आंदोलन ने अपनी गति और ऊर्जा खो दी। मेरा मानना है कि वैश्विक स्तर पर नागरिक समाज आंदोलन के बगैर, परमाणु हथियार-मुक्त विश्व की कल्पना महज मरीचिका ही रहेगी। वैश्विक परमाणु नियंत्रण व्यवस्था की स्थिरता पर संदेह करने के कई कारण हैं। पूर्व-निवारण परमाणु सिद्धांत, जिनको लेकर दावा किया जाता है कि उनकी वजह से पिछले 80 वर्षों में परमाणु शांति कायम रही है, उसका प्रभाव सदा से संदिग्ध रहा है और आज तो और भी अधिक संदेहास्पद है। पूर्व-निवारण परमाणु पहल के अधिकांश सिद्धांत तत्कालीन सोवियत संघ नीत पूर्वी जगत और अमेरिका, ब्रिटेन एवं फ्रांस की अगुवाई वाली पश्चिमी दुनिया के बीच अनिवार्य रूप से द्वि-आधारीय (बाइनरी) समीकरण से विकसित हुए थे।

अवधारणाएं जैसे कि पारस्परिक विनाश की मंशा (परमाणु अस्त्रों से एक-दूसरे का सर्वनाश करने की क्षमता, चाहे पहल किसी भी पक्ष ने की हो) और क्रमिक प्रतिक्रिया में बढ़ोतरी (या फिर यह धारणा कि सीमित क्षमता के परमाणु बमों के उपयोग से बेरोकटोक परस्पर बमबारी के फैलाव को रोकना संभव हो सकता है)। ऐसी सोच वास्तविकता का प्रतिबिम्ब होने की बजाय दिमागी खेल ज्यादा है। यदि पूर्व-निवारण परमाणु पहल, द्वि-आधारीय संदर्भ में भी, इतनी जटिल साबित हो चुकी है, तब परमाणु हथियार संपन्न अनेक देशों वाले परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है?क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप के परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी असंभव होने से।

# पर्यावरण भी प्राथमिकता हो डिजिटल युग में

अब हम ऐसे प्राइमरी स्कूलों की संभावनाएं देख रहे हैं, जहां बच्चों को आरंभ से ही डिजिटल और कृत्रिम मेधा की शिक्षा दी जाएगी। लेकिन इस दौड़ में कहीं स्कूलों की हरियाली समाप्त न हो जाए। कहीं खेल मैदान बहुमंजिला इमारतों की भेंट न चढ़ जाएं।

शिक्षा वह माध्यम है, जिसके सहारे हम तेजी से बदलती दुनिया के साथ कदम से कदम मिला सकते हैं। आज की दुनिया में कृत्रिम मेधा का बोलबाला है। रोबोट मनुष्य का स्थान लेने लगे हैं, क्योंकि संपन्न निवेशकों को लागत प्रबंधन में यही उपयुक्त लगता है। ऐसे में शिक्षा को यह सुनिश्चित करना होगा कि ज्ञान सही दिशा में पहुंचे, न कि डीपफेक और साइबर अपराध जैसे खतरनाक गलियारों में खो जाए।यदि सर्वेक्षण बताते हैं कि बच्चों को दस तक का पहाड़ा या प्रतिशत निकालना भी नहीं आता, तो सवाल उठता है—वे इस बदलती दुनिया के ज्ञान से कैसे कदम मिला पाएंगे? सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक निर्णय में स्पष्ट किया है कि भारत में शिक्षा क्रांति का अर्थ केवल व्यावसायिक विस्तार नहीं है। शिक्षा संस्थानों का निर्माण करते समय पर्यावरणीय प्रभावों का संज्ञान लेना आवश्यक है। 29 जनवरी, 2025 को केंद्र सरकार की एक अधिसूचना कोर्ट के विचाराधीन हुई, जिसमें औद्योगिक शेड, स्कूल, कॉलेज और छात्रावास जैसी परियोजनाओं को पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना, 2006 के तहत पूर्व पर्यावरण मंजूरी से छूट प्रदान की गई थी।

अधिसूचना में यह स्वीकार किया गया कि 20,000 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्र में निर्माण कार्य पर्यावरण को प्रभावित करेगा, लेकिन यह भी कहा गया कि इन संस्थानों का राष्ट्रीय विकास में इतना महत्व है कि इन्हें पूर्व मंजूरी से मुक्त किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन अत्यंत आवश्यक है। जब यह संतुलन बिगड़ता है, तो घुटन, हरित क्षेत्र की कमी, खेल के मैदानों का लोप और शिक्षा के नाम पर व्यापार का विस्तार देखने को मिलता है।बीते वर्षों में अनेक राजनीतिक दलों ने शिक्षा क्रांति के विभिन्न मॉडल प्रस्तुत किए हैं। यह कहा जाता है कि शिक्षा केवल निजी पब्लिक स्कूलों की बंधक नहीं होनी चाहिए। नीति यह होनी चाहिए कि सरकारी स्कूलों को इतना सक्षम बनाया जाए कि माता-पिता को अपने बच्चों को निजी स्कूलों में भेजने की कोई जल्दबाज़ी न रहे। लेकिन इस लक्ष्य के बावजूद, सरकारी स्कूल अब भी उस स्तर को नहीं छू पा रहे हैं?

# व्यंग्य-वोटर पूनरीक्षण से पहले ही आवारा कुत्तो पर बैन

सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त माह में स्वतंत्रता दिवस से पहले एक आदेश में देश के आवारा कुत्तों की समस्या पर कड़ा रुख अपनाते हुए दिल्ली-एनसीआर से सभी आवारा कुत्तों को 8 सप्ताह में शेल्टर होम में स्थानांतरित करने का आदेश दिया, जहां नसबंदी और टीकाकरण होगा। काश यह देश के सभी कुत्तो पर लागू हो जो भोंकते है। कभी संसद के बाहर तो कभी भारत के बाहर तो कभी चुनाव से ठीक पहले। और फिर जनता यह तय कर ले की चुनाव के बाद इन कुत्तों को सड़कों पर वापस नहीं छोड़ा जाएगा। शीर्ष अदालत ने 28 जुलाई को दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों की समस्या, उनके काटने एवं रेबीज़ से होने वाली मौतों के बढ़ते आंकड़ों पर स्वतः संज्ञान लिया था, उसके बाद यह फ़ैसला सुना दिया जिसके बाद नेताजन सदमे में है। इस फ़ैसले पर संसद में सांसद और विधानसभा में विधायक दो फाड़ नज़र आ रहे।

एक तबका इस फ़ैसले को अधिकाधिक प्रसारित करते हुए कह रहा जितने आवारा कुत्ते आसपास दिख रहे हैं, उन्हें बाउंसर से फ़ौरन हटाने की मांग की जा रही, जबकि दूसरा तबका इस आदेश पर आपत्ति जता रहा है क्योंकि उन्हें लगता है यह उनके साथ बेईमानी और संविधान का अपमान है। यह बेजुबानों टोपीधारीयों के साथ क्रूरता है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से 2011 में आई फिल्म चिल्लर पार्टी का ध्यान आ गया। जिसमें

**पंकज सीबी मिश्रा /राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी**

एक रिहायशी इलाके में कार साफ़ करने वाले बच्चे के साथ रह रहे कुत्ते को हटाने पर शक्तिशाली लोग तुल जाते हैं। हालांकि कुछ लोगों की सहृदयता और सबसे बढ़कर छोटे बच्चों के आंदोलन से आखिरकार उस कुत्ते को कॉलोनी में रहने का हक़ मिल जाता है और अब तो पूरे कुत्तो की जमात है कॉलोनी में। बच्चों का मंत्री महोदय से टीवी पर वाद-विवाद भी होता है, जिसमें वे अपनी स्कूल की नैतिक शिक्षा के किताब के उदाहरण देते हैं। कुत्ते के हक़ के लिए जब बच्चे सड़क पर निकलते हैं तो उनके हाथों में पोस्टर रहता है- 'ये दुनिया भिडू की भी है।'

यही बात दरअसल समाज को समझने की ज़रूरत है कि इस दुनिया पर, हवा, पानी, जंगल, धरती पर केवल कुत्तो का हक़ नहीं है, कीट-पतंगे, पशु-पक्षी और नेता भी इसके उतने ही हकदार हैं। जब इंसान इनका हक छीनता है, तो फिर किसी न किसी तरह उसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। बेशक लावारिस पशुओं के होने से बहुत सी दिक्कतें आती हैं, गंभीर दुर्घटनाएं भी होती हैं पर कोर्ट को नेताओ से क्या दिक्क़त !इसका ये अर्थ नहीं है कि उन्हें बैरिकेटिंग के पार ना जाने दिया जाय या जेल में बंद कर दिया जाए या उनका वोट चुरा लिया जाए। कई ऐसे प्रकरण सामने आ चुके हैं जिसमें निरीह नेताओ को बेरहमी से दुत्कार दिया गया और उनसे असुविधा का बहाना बता दिया गया। अदालत के आदेश के बाद सड़क के कुत्तों के प्रति दीनता खासतौर पर बढ़ेगी, अब ऐसा अंदेशा हो रहा है। वैसे देश में लावारिस कुत्तों की दिक्कत केवल दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ही नहीं है। पूरे देश में हर चुनाव से पहले ये पैदा हो जाते है और फिर जनता से जुड़ी दुर्घटनाएं हो रही हैं।

साल 2024 में देशभर में 37 लाख से अधिक कुत्ते काटने के मामले दर्ज हुए थे, जिनमें से 5.19 लाख से ज्यादा पीड़ित 15 साल से कम उम्र के बच्चे थे। अदालत का आदेश खास तौर पर दिल्ली-एनसीआर के लिए है। दिल्ली में हर दिन औसतन 2 हज़ार कुत्तों के काटने की घटनाएं सामने आ रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वैश्विक रेबीज़ से होने वाली मौतों में से 36 प्रतिशत भारत में होती है, जो इस समस्या की गंभीरता को बताता है। हालांकि इसमें पशुओं का नहीं, प्रशासन की निष्क्रियता का दोष है। पशु जन्म नियंत्रण नियम 2023 के तहत नसबंदी और टीकाकरण के बावजूद दिल्ली में 10 लाख लावारिस कुत्तों में से आधे से भी कम की नसबंदी हुई, जिससे आबादी नियंत्रण में विफलता दिखी। दरअसल इस काम के लिए प्रशिक्षित और योग्य लोगों की भारी कमी है। अदालत भी इस बात को जानती है। उसने दिल्ली सरकार को वैक्सीन स्टॉक और इलाज की जानकारी सार्वजनिक करने का आदेश दिया है। साथ ही 5 हज़ार कुत्तों की क्षमता वाले शेल्टर होम बनाने और प्रशिक्षित कर्मचारियों की तैनाती करने का निर्देश दिया गया है। यही लक्ष्य होना चाहिए कि लोग सुरक्षित रहें और पशुओं पर अत्याचार न हो।

मेनका गांधी ने भी कहा है कि, 'दिल्ली में तीन लाख आवारा कुत्ते हैं। उन सभी को पकड़कर शेल्टर होम भिजवाया जाएगा। उनको सड़कों से हटाने के लिए दिल्ली सरकार को 1 हजार या 2 हज़ार शेल्टर होम बनाने होंगे। क्योंकि ज्यादा कुत्तों को एक साथ नहीं रखा जा सकता। सबसे पहले तो उसके लिए जमीन तलाशनी होगी। इस पर 4-5 करोड़ का खर्च आएगा। क्योंकि हर केंद्र में केयरटेकर, खाना बनाने वाले और खिलाने वाले, और चौकीदार की व्यवस्था करनी होगी।


## अपनी समस्या हमें बतायें

**आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।**

**दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।**

फोन नं.- 8423454502, bps.knp786@gmail.com

## आवश्यक सूचना

**प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक**

## आवश्यकता है

**बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।**

**संपर्क करें -:**

मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

# बंद पड़े स्कूल में सिक्योरिटी गार्ड का मिला कंकाल, धड़ से अलग मिला सिर, 20 दिन पहले ही आया था काम पर

बीपीएस न्यूज

कानपुर। चकेरी में एक बंद पड़े स्कूल में सिक्योरिटी गार्ड का कंकाल मिला है, जिसका सिर धड़ से अलग था। मृतक ने 20 दिन पहले ही नौकरी ज्वॉइन की थी। पुलिस ने हत्या का मामला मानकर जांच शुरू की है।

कानपुर में चकेरी थानाक्षेत्र के मैरी जीसस स्कूल के अंदर चारपाई पर वृद्ध सिक्योरिटी गार्ड का शव पड़ा मिला। सिर धड़ से अलग था, 20 दिन पहले ही उन्होंने गार्ड की नौकरी ज्वॉइन की थी। सूचना पाकर पहुंची चकेरी पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। गोविंद नगर कच्ची बस्ती निवासी राम प्रसाद (60) दहेली सुजानपुर स्थित मैरिज जीसस स्कूल में सिक्योरिटी गार्ड थे।

उनके परिवार में पत्नी शांति देवी, बेटा आशीष रावत अंकित रावत बेटी दीपा व ज्योति है। भाई नंदलाल ने बताया कि बीते सात जुलाई को ही उन्होंने स्कूल में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी ज्वॉइन की था। इससे पहले वह पेंटिंग का काम करते थे। करीब आठ माह से वह घर पर ही थे। स्कूल प्रबंधन ने एक साल पहले स्कूल बेच दिया था, तब से स्कूल बंद पड़ा हुआ था।

पोस्टमार्टम के लिए भेजा कंकाल

स्कूल की देख रहे ठेकेदार गंगा सिंह और केयरटेकर अमित सिंह कर रहे थे। परिजनों के मुताबिक कुछ दिन से फोन ऑफ जा रहा था। बुधवार सुबह ठेकेदार व पुलिस मौके पर पहुंची, तो कमरे में कंकाल पड़ा देख उनके होश उड़ गए। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए है। पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। तहरीर के आधार पर आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

## दयानंद गर्ल्स पी जी कॉलेज में निकाली गई हर घर तिरंगा यात्रा

दयानंद गर्ल्स पीजी कॉलेज कानपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई , कार्यक्रम अधिकारी डॉ संगीता सिरोही के कुशल निर्देशन में छात्राओं के द्वारा हर घर तिरंगा अभियान - 2025 तृतीय चरण के अंतर्गत आयोजित तिरंगा यात्रा में हिस्सा लिया गया। जिसमें छात्राओं के द्वारा नारे लगाकर एवं तिरंगा लहराकर स्वतंत्रता दिवस तक हर घर में तिरंगा फहराने एवं देशभक्ति का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नमामि गंगे विभाग भाजपा के संयोजक श्री कृष्णा दीक्षित बड़े जी रहे उनके साथ पधारी उनकी टीम का सहयोग सराहनीय रहा। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की 100 से अधिक छात्राएं एवं शिक्षिकाये उपस्थित रही।

महाविद्यालय प्राचार्या प्रो वंदना निगम तथा सेल्फ फाइनेंस डायरेक्टर ने झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया तथा छात्राओं से हर घर तिरंगा अभियान में उत्साह के साथ हिस्सा लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय चीफ प्रॉक्टर डॉ प्रो अर्चना श्रीवास्तव, आई क्यू ए सी इंचार्ज डॉ सुगंधा तिवारी, नैक इंचार्ज डॉ अलका श्रीवास्तव, डॉ अंजना श्रीवास्तव, डॉ श्वेता गोंड, डॉ शिप्रा श्रीवास्तव, डॉ सुषमा शर्मा, डॉ अपूर्वा बाजपेई एवं कृष्णेन्द्र कुमार का सहयोग प्रशंसनीय रहा।

## कला कुंज के कलाकारों द्वारा जन्माष्टमी में भव रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

बीपीएस न्यूज

कानपुर शहर के प्रसिद्ध जेके मंदिर श्री राधा कृष्ण मंदिर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष में कला कुंज के कलाकार एवं नगर के प्रतिष्ठित कलाकारों विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा किया जा रहा है। एक सप्ताह चलने वाले कार्यक्रम में 15 अगस्त से 21 अगस्त तक चल रहे कृष्ण जन्मोत्सव के कल 15 अगस्त को कृष्ण की बाल लीलाओं तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ कलाकुंज की फाउंडर डॉ. राखी बाजपेई द्वारा जिसमें सर्वप्रथम डॉक्टर सिंधुजा जी द्वारा गणेश वंदना, विशेष पांडे द्वारा नन्ना मुन्ना राही हूं, ऋषि पांडे जी द्वारा मुरली का प्रदर्शन, डॉ. विजयलक्ष्मी के द्वारा भजनों का और भक्ति में संगीत का प्रदर्शन हुआ उसके बाद में लक्ष्मी बाई का एक प्रदर्शन हुआ जिसमें स्नेह लता,तिवारी,खुशबू दुबे,पूजा पांडे,विशेष पांडे,ईशान,एग्रिका,आदित्य आरोही एवं प्रज्ञा के बच्चों के द्वारा जिसमें अदिति त्रिपाठी, आंचल राजभर,कनक अदिति, पावनी कटियार, प्रियंका राम भदोरिया ने अद्भुत प्रदर्शन किया !देवी स्तुति देवियों के द्वारा कंस का डरना जिसमें कंस के रूप में वंशिका विष्णु के रूप में अथर्व चतुर्वेदी देवकी के रूप में निधि वासुदेव के रूप में सलोनी आगरा का दिव्या ने देवी स्तुति का प्रदर्शन किया एवं कंस को डराया इस तरह से समस्त प्रोग्राम का भव्य प्रदर्शन हुआ अंत में कला कुंज की फाउंडर डॉक्टर राखी वाजपेई को फाउंडर डॉक्टर विजयलक्ष्मी सम्मानित गणों द्वारा बच्चों और अन्य कलाकारों को सम्मानित किया गया।

# कानपुर को गढ्ढों और खूनी सड़कों से निजात दिलवाइए सर- पवन गुप्ता

बीपीएस न्यूज

कानपुर ।कानपुर की ठप्प और भ्रष्ट स्वास्थ,शिक्षा और नागरिक सुविधाओं के संबंध में कानपुर महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता और जीनल प्रभारी गयादीन अनुरागी की अगुआई में कांग्रेसजनों ने मंडलायुक्त के विजयेन्द्र पांडियन को मांग पत्र सौंपते हुए तत्काल हस्तक्षेप कर कानपुर को राहत दिलवाने की मांग करी ।कानपुर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता ने मांगपत्र के माध्यम से कानपुर की कई महत्वपूर्ण समस्याओं को उजागर किया ।महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने निम्नलिखित मामले उठाए स्वास्थ्य पवन गुप्ता ने कहा कि कानपुर में सरकारी अस्पतालों में हालत भयावह है ।डॉक्टर मिलते नहीं,लोगों को इलाज मिल नहीं रहा और बाहर से जांच, बाहर से दवा खरीद का दलालों का खेले खुलेआम चल रहा है।

शिक्षा- अधिकांश निजी स्कूलों द्वारा अभी तक आरटीई ( ऋञ्श्व) के तहत गरीब और कमजोर वर्ग के बच्चों को सम्मान से दाखिला और शिक्षा का अधिकार नहीं मिल है।

नागरिक सुविधाएं- कानपुर की सड़कों और जलभराव,कूदा,गंदगी,आवारा जानवर की समस्या ने कानपुर की छवि बहुत खराब की है ।मंडलायुक्त ने स्वास्थ और शिक्षा संबंधित मुद्दे पर कड़ी कार्यवाही का आश्वासन दिया ।उन्होंने कहा कि स्वास्थ महकमे में दलालों को सफाया और शिक्षा में कमजोर वर्ग के बच्चों को सम्मान से उनका अधिकार मिले ये सुनिश्चित किया जाएगा ।महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता,कांग्रेस संगठन जोनल प्रभारी और पूर्व विधायक गयादीन अनुरागी,प्रतिभा अटल पाल,वसुंधरा वर्मा,राजलक्ष्मी सिंह,श्याम यादव,रितेश यादव,पदम मोहन मिश्रा,आसिफ इकबाल,राकेश साहू,अजय श्रीवास्तव शीलू,राम जी दुबे,आशुतोष शुक्ला,विनोद अवस्थी,हमजा निहाल आदि थे।

# जेल की सलाखों के पीछे मिली आत्मनिर्भरता की राह-जिलाधिकारी

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर,स्वतंत्रता दिवस के 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के अंतर्गत आज जिला कारागार में कुछ ऐसा नजारा देखने को मिला जिसने साबित कर दिया कि सलाखों के पीछे भी उम्मीद की किरणें जगाई जा सकती हैं। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने महिला बंदियों के बीच पहुंचकर न केवल आज़ादी का पर्व साझा किया, बल्कि उनके भविष्य को नई दिशा देने की ठोस पहल भी की ।जिलाधिकारी की कोशिशों से अचिन्त्य चैरिटेबल फाउंडेशन ने महिला बंदियों के लिए चार सिलाई मशीनें उपलब्ध कराईं। इन्हीं मशीनों पर महिला बंदियों ने 120 शूट तैयार किए, जिन्हें उनके बीच वितरित किया गया। इस मेहनत का उन्हें 36 हजार रुपये का सम्मानजनक मेहनताना भी मिला। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जेल केवल सजा काटने का स्थान नहीं है, बल्कि सुधार और पुनर्वास का अवसर है ।अब आरसेटी भी महिला बंदियों की स्किल डेवलपमेंट की जिम्मेदारी उठाएगा। ब्यूटी पार्लर, सिलाई और अन्य हुनर की ट्रेनिंग देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने की राह दिखाई जाएगी। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद प्रमाणपत्र भी मिलेगा, जिससे बाहर आने पर बैंक से ऋण लेने में आसानी होगी और नए जीवन की शुरुआत की जा सकेगी। जिलाधिकारी ने बैरक में बने ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण स्थल का उद्घाटन भी किया।

अचिन्त्य चैरिटेबल फाउंडेशन की अध्यक्ष दिशा अरोड़ा ने कहा कि जिलाधिकारी की पहल से महिला बंदियों के हित में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। पार्लर एवं मेकअप ट्रेनिंग 25 अगस्त से प्रारंभ होगी। पार्लर व मेकअप के सभी उपकरण, सामान तथा पार्लर चेयर आज उपलब्ध कराई गई। कारागार अधीक्षक डॉ. बी.डी. पाण्डेय ने बताया कि महिला बंदियों के स्वरोजगार से जुड़ी गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाया जाएगा ।इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग अंजनीश प्रताप सिंह, एलडीएम आदित्य कुमार सहित जेल प्रशासन से जुड़े विभिन्न अधिकारी मौजूद थे।

## बन्थर चौराहा व बन्थर लेदर पार्क के कट ,शेखपुर नरी का कट आंशिक रूप से बन्द क्षेत्रीय निवासियों को असुविधा हो रही

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जाजमऊ कानपुर गंगापुल से लखनऊ हाईवे पर बन्धर चौराहा व बन्थर लेदर पार्क के कट पूर्णतया बन्द तथा शेखपुर नरी का कट आंशिक रूप से बन्द किये जाने के कारण क्षेत्रीय निवासियों को हो रही असुविधा को दूर करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया पूर्व विधायक, 165 सवर, उन्नाव पूर्व सदस्य सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति राष्ट्रीय अध्यक्षअ.भा.लोधी निषाद बिन्द कश्यप एकता समता महासभा राष्ट्रीय महासचिव नेशनल एसोसिएशन ऑफ फिशरमेन (ह्न.स्न.), राष्ट्रीय निषाद संघ नितिन गडकरी सड़क परिवहन और राजमार्ग, जहाजरानी, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री भारत सरकार, नई दिल्ली को पत्र के माध्यम से बताया कि जाजमऊ कानपुर गंगापुल से लखनऊ हाईवे पर बन्थर चौराहा व बन्थर लेदर पार्क के कट पूर्णतया बन्द तथा शेखपुर नरी का कट

आंशिक रूप से बन्द किये जाने के कारण क्षेत्रीय निवासियों को बहुत ही असुविधा का सामना करना पड रहा है। बन्धर लेदर पार्क में जाने वाले हजारो कर्मचारियों एवं लेवरों सुबह शाम जाने आने में बहुत असुविधा होती है और कट न होने के कारण प्रतिदिन हाईवे किंस करते समय दुर्घटनायें हो रही है और दुघर्टना के कारण लोगों की मृत्यु हो रही है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर जैसे नोयडा, कानपुर दिल्ली हाईवे व प्रतिदिन हाईवे कास करते समय हो रही दुर्घटनायों से वाहनों के क्षतिग्रस्त होने एवं लोगों की हो रही मृत्यु को रोका जा सकें। कानपुर लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर कट के लिए बन्थर चौराहा, बन्धर लेदर पार्क व शेखपुर नरी में बन्द किये गये कटों को आवागमन हेतु सुविधा जनक एवं दुर्घटना रहित बनाने के लिए परियोजना निदेशक नेशनल हाई-वे अथारिटी आफ इण्डिया कानपुर नगर को राष्ट्रीय राजमार्ग को चौड़ा कर यूटर्न बनाने के आदेश पारित करें! जिससे लोगों की जान बचाई जा सके!

## मृतक महिला सफाई कर्मी के परिजनों को समाजसेवियों द्वारा मुआवजा दिलाकर किया न्याय

कानपुर ।वार्ड 28 अंतर्गत क्षेत्र लाल बंगला में गुड्डन पत्नी सुनील आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारी का कार दुर्घटना में मौत हो गई थी। नाबालिगों द्वारा तेज़ रफ़्तार कार चलाने से महिला सफ़ाई कर्मी की मृत्यु हो गई थी। क्षेत्रीय लोगों ने मौके पर गाड़ी चालक नाबालिगों को पकड़ कर पुलिस प्रशासन को सूचना दी थी व उनको पुलिस के हवाले कर दिया था,गाड़ी मालिक सना गुलजार थी ।जिस पर कानपुर नगर निगम कर्मचारी संघ द्वारा महापौर,नगर आयुक्त एवं अपर नगर आयुक्त को सूचित किया। कर्मचारी की तरफ से प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया व तत्पश्चात गाड़ी मालिक द्वारा संघ के प्रतिनिधियों में मुन्ना हजारिया, रमाकांत मिश्रा, एवं हरिओम वाल्मीकि द्वारा आपसी समझौता कर मृतक परिवार के छोटे-छोटे बच्चों के पालन पोषण हेतु ?12,50,000 दिलाया गया जिसमें 2,50,000 रुपया नगद एवं पांच पांच लाख की दो चेक मौके पर दिलाया गया और समझौता हुआ कि कर्मचारी का परिवार कोई मुकदमा एवं कार्रवाई नहीं करना चाहता यह समझौता थाना चकेरी के अंतर्गत संबंधित चौकी इंचार्ज के समक्ष हुआ। दोनों पक्षों में आपसी सहमति हो गई तत्पश्चात पोस्टमार्टम करा कर कर्मचारी का दाह संस्कार कर दिया गया। मृतक महिला गुड्डन आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारी को जेटीएन कंपनी की तरफ से ?15000 दाह संस्कार के लिए नगर निगम के अधिकारियों एवम कर्मचारी प्रतिनिधियों के प्रयास से सहायता की गई।

# हमें फर्ख है कि हम हिंदुस्तानी हैं- मौलाना मोहम्मद हशिम अशरफी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। 15 अगस्त खुशियों का कौमी त्यौहार है इस अवसर पर तिरंगा फहराने से मुल्क की मुहब्बत ज़ाहिर होती है जांबाज़ उल्माए अहले सुन्नत में खास तौर से शाह अब्दुल अज़ीज़ मुहद्दिसे देहलवी अ.र. ने सन 1772 ई0 में अंग्रेजों के खिलाफ जिहाद का फ़तवा देकर जंगे आज़ादी की तहरीक का आगाज़ फरमा दिया था यह समझना कि 1857 ई0 में मंगल पांडे की क्रांति अंग्रेजों के खिलाफ पहली जंग है यह तारीख़ी हकीकत पर पर्दा डालना है । इन विचारों को कौन्सिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद हाशिम अशरफ़ी ने आला हज़रत रोड चिश्ती नगर में आल इंडिया ग़रीब नवाज़ कौन्सिल के तत्वाधान में आयोजित ' 'मुल्क की आज़ादी और उलमा-ए-अहले सुन्नत की कुर्बानी'' नामी प्रोग्राम में व्यक्त किये । श्री अशरफी ने कहा मुल्क की आज़ादी में हज़ारों उलमा को फाँसी दी गयी बहुतों को काले पानी की सज़ा हुई मगर उलमा पीछे नहीं हटे और डट कर आखरी दम तक मुल्क की आज़ादी के लिए लड़ते हुए शहीद हो गए उन्हों ने कहा कि जांबाज़ बहादुरों में से एक नाम अल्लामा फजले हक खैराबादी का है उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ जिहाद का फतवा दिया और 1857 की जंग में बहादुर शाह ज़फर के साथ थे जिस की वजह से अंग्रेजों ने आप को काले पानी की सज़ा दी और आप का इन्तिकाल हो गया वहीँ आप का मज़ार है इसी तरह शाह वली उल्लाह मोहद्दिसे देहलवी, मौलाना हसरत मोहानी, मौलाना अब्दुल जलील, मौलाना मो. फैज़ अहमद बदायुनी, मौलाना

इनायत अहमद काकोरवी, अल्लामा फजल इमाम खैराबादी, मौलाना अहमद उल्लाह शाह मद्रासी, मौलाना किफ़ायत अली काफी मुरादाबादी, मुफ़्ती सद्रुद्दुइन आज़ुर्दा, मौलाना रजा अली बरेलवी, मुफ़्ती मजहर करीम दरयाबादी, मौलाना लियाक़त अली इलाहाबादी, मौलाना वहाजुद्दीन मुरादाबादी, मौलाना लुत्फ़ुल्लाह अलीगढ़ी, क़ाज़ी फैज़ुल्लाह कश्मीरी, मौलाना कासिम दानापुरी आदि उलमा-ए अहले सुन्नत की एक लम्बी फेहरिस्त है जिन्हों ने अपने कलम और तकरीरों से कौम के अन्दर वतन पर जान कुर्बान करने का जज़्बा पैदा कर दिया और खुद भी वतन पर जान कुर्बान करके अमर हो गए मौलाना मोहम्मद महताब आलम कादरी मिस्बाही शहरी सदर काउन्सिल ने भी विचार व्यक्त किये । कारी मो. अहमद ने देश भक्ति का गीत पढ़ा जिस से माहौल खुशगवार हो गया । इस से पूर्व प्रोग्राम का आगाज़ कुरान पाक की तिलावत से हाफिज मिन्हाजुद्दीन क़ादरी शहरी जनरल सेक्रेटरी ने किया। संचालन हाफिज मोहम्मद अरशद अशरफ़ी ने किया । हाजी सय्यद खुर्शीद आलम, हसन शिबली अशरफी, माजिद अली ने नातें पढ़ीं मोहम्मद अली ठेकेदार ने मेहमानों का शुक्रिया अदा किया सलातो सलाम और मुल्क की तरक्की व खुशहाली की दुआओं के साथ जलसा ख़त्म हुआ इस अवसर पर प्रमुख रूप से मौलाना गुल मोहम्मद, क़ारी अजीमुद्दीन, मास्टर इकबाल अहमद, मास्टर नोमान अख्तर, शेर खान, हाजी मो. असलम, मो. मुश्ताक, हाफिज बहरुद्दीन, मो. अशफाक, गुड्डू भाई, मुस्तकीम अहमद आदि उपस्थित रहे।

# दवा व्यापार मंडल की तिरंगा यात्रा ने जगाया देशभक्ति का जज्बा

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर। पन्द्रह अगस्त से पूर्व स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में दवा व्यापार मंडल के बैनर तले एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया।

यह यात्रा दवा मार्केट से शुरू होकर बिरहाना रोड तक पहुंची, जिसमें सैकड़ों व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। हाथों में तिरंगा थामे, %भारत माता की जय% और %वंदे मातरम% के नारों से गूंजती सड़कों ने देशभक्ति का अनूठा माहौल बना दिया।यात्रा दवा बाजार की तंग गलियों से होते हुए पूरे क्षेत्र से गुजरी, जहां व्यापारियों ने तिरंगे को गर्व से लहराते हुए राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। मानो पूरा बाजार देशभक्ति के रंग में रंग गया हो।

राष्ट्र के प्रति समर्पण के इस आयोजन में दवा व्यापार मंडल के प्रमुख पदाधिकारी और सदस्य सक्रिय रूप से शामिल रहे। इस दौरान संजय मल्होत्रा, राजेंद्र सैनी, अरुण कुमार अस्थाना, इरफान, नंदू किशोर ओझा, दीपक निगम जैसे प्रमुख व्यापारियों ने यात्रा का नेतृत्व किया, जिनके जोश और उत्साह ने सभी को प्रेरित किया। स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और इस एकजुटता ने कानपुर की व्यस्त गलियों को देशभक्ति के उमंग से भर दिया।

यह तिरंगा यात्रा न केवल स्वतंत्रता के प्रति सम्मान का प्रतीक बनी, बल्कि व्यापारियों और समुदाय के बीच एकता और राष्ट्रप्रेम की भावना को भी मजबूत करने का एक शानदार प्रयास साबित हुआ।

# एसआईआर की प्रतीकात्मक प्रतियां जलाकर कांग्रेस का विरोध

## वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगाए, भारी तादाद में पुलिस तैनात रही

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बिहार में एसआईआर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के बाद बड़े पैमाने पर वोटर लिस्ट में धांधली और वोट चोरी के मामले सामने आने के बाद विरोध में आज कानपुर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में कोतवाली चौराहे के पास एसआईआर की प्रतीकात्मक प्रतियां जलाकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया गया। वोट चोर गद्दी छोड़, वोटों की हेरा फेरी बंद करो के जोरदार नारे लगे। महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि भाजपा और चुनाव आयोग द्वारा आपका वोट चोरी किया जा रहा है।

जिस तरह से चुनाव आयोग ने भाजपा के अनुषांगिक संगठन के रूप में काम करते हुए लोकतंत्र की हत्या की है, उससे साफ है कि भाजपा संविधानिक संस्थाओं का देश में वोट चोरी के लिए दुरुपयोग कर रही है और बेइमानी से चुनाव जीतना चाहती है।

पूर्व अध्यक्ष हर प्रकाश अग्निहोत्री ने कहा कि आज भी कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के सांसदों ने स्ढ्ढक्रऔर इस वोट चोरी के खिलाफ दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया। वोट चोर गद्दी छोड़, वोट चोरी बंद करो, भाजपा शर्म करो, चुनाव आयोग शर्म करो के नारे लगे। महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष हर प्रकाश अग्निहोत्री, वरिष्ठ नेत्री उपाध्यक्ष संतोष त्रिपाठी, वरिष्ठ नेत्री उपाध्यक्ष पूजा भारद्वाज, नरेश पाठक, हरीश बाजपई, तौसीफ खान, रितेश यादव, अजय प्रकाश तिवारी, अतीक अहमद शहजादे, मो इरफान, नदीम सिद्दीकी, पद्म मोहन मिश्रा, अजय श्रीवास्तव, शीलू, राकेश साहू, संजय दीक्षित, आनंद शुक्ला, जावेद उस्मानी, राम स्वरूप तिवारी, रवि किशन भारती, धर्मेंद्र चौहान, हाजी जलील आदि थे।

# भाजपा ने तिरंगा यात्रा से दिया राष्ट्रप्रेम और एकता का संदेश, भरा देशभक्ति का जज्बा

कानपुर। भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह के नेतृत्व में हरजिंदर नगर मंडल में राष्ट्रप्रेम और एकता के संदेश के साथ में विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। पांच किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के कैंप कार्यालय से प्रारंभ होकर रामादेवी, हरजिंदर नगर, लाल बंगला पुलिस चौकी चौराहा, जेके कॉलोनी चौराहा से रामअवतार महाना सामुदायिक केंद्र तक विशाल जनसमूह के साथ निकाली गई। यात्रा में जनसैलाब उमड़ पड़ा।सैकड़ों देशभक्तों ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता के जयकारों के साथ पूरे वातावरण को देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत कर दिया। रास्ते में तीन दर्जन से अधिक जगहों पर पुष्पवर्षा कर स्थानीय नागरिकों ने तिरंगा यात्रा का भव्य स्वागत किया। यात्रा की भव्यता का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि ढोल-नगाड़ों और देशभक्ति गीतों से गूंजते इस आयोजन में छोटे-बड़े सभी वर्गों, महिलाओं, युवाओं व वरिष्ठ नागरिकों ने पूरे उत्साह से भागीदारी की।

भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने इस अवसर पर कहा, ऌयह तिरंगा यात्रा भारत की आत्मा और हमारे संविधान की गरिमा का प्रतीक है। यह हमारी एकजुटता, संस्कृति ,देश प्रेम और शौर्य को दर्शाती है। आज हम सबने मिलकर यह संकल्प लिया है कि देशहित में एकजुट रहेंगे और राष्ट्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।यह यात्रा न केवल एक आयोजन है, बल्कि यह हर भारतीय के हृदय में देशप्रेम की लौ को और प्रज्वलित करने वाला एक ऐतिहासिक क्षण है।प्रमुख रूप से जसविंदर सिंह, के पी सिंह चौहान, विनय मिश्रा, विवेक शुक्ला, कैलाश पांडेय, सुरेंद्र अवस्थी, अशोक मेंबर, शिव प्रताप, मोहिनी शुक्ला आदि मौजूद रहे।

# जिला जज चवन प्रकाश द्वारा नि:शुल्क लीगल क्लीनिक का किया गया उद्घाटन

कानपुर। कानपुर जज चवन प्रकाश द्वारा नालसा वीर परिवार सहायता योजना 2025 के तहत रक्षा कर्मियों, भूतपूर्व सैनिको व उनके परिवारजन को विधिक सहायता उपलब्ध करवाने के लिए जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में नि:शुल्क लीगल एड क्लीनिक का उद्घाटन द्वीप प्रज्वलित कर किया गया।

जिला जज द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की

ओर से हमारे सैनिकों के लिए जो यह विधिक सहायता केंद्र खोला गया है निश्चित ही इसका लाभ हमारे भूतपूर्व सैनिक रक्षा कर्मियों उनके परिवारों को नई दिशा देगा। यहां मुक्त कानूनी सहायता दी जाएगी, जिससे देश की रक्षा में तैनात सैनिकों व उनके परिवारों को कानून की सही जानकारी दी जा सके।

इस अवसर पर अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कमलेश कुमार मौर्य द्वारा माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा वीर परिवारो

हेतु इस स्कीम के तहत लिखी गयी कुछ पंक्तियां ऌजल थल नभ के रक्षक वीरों, सीमाओं के सजग पहरी, त्याग तपस्या और समर्पण, देशभक्त की निष्ठा गहरी। सागर तुम्हें नमन करता है और हिमालय करता वंदन, गंगा यमुना की पावनता तुम्हें समर्पित अभिनन्दन।ऌ सुनायी गयी।

कार्यक्रम में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सूरज मिश्रा, कर्नल एस.पी. सिंह, मेजर योगेन्द्र कटियार व विभिन्न बटालियन के सैनिक व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के असिस्टेंट राजकुमार यादव, स्टाफ निहाल दीक्षित, पवन कुमार पीएलवी परवेज, प्रसून सोनकर उपस्थित रहे।

# स्वतंत्रता दिवस पर पुलिस आयुक्त अखिल कुमार ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज

कानपुर। 79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर पुलिस लाइन परिसर में एक भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस आयुक्त अखिल कुमार द्वारा ससम्मान राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

ध्वजारोहण उपरांत पुलिस आयुक्त ने उपस्थित अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दी और उन्हें राष्ट्र सेवा में सदैव समर्पित रहने, कर्तव्यों के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी बनाए रखने हेतु प्रेरित किया।

# राजस्व वसूली में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी: जिलाधिकारी

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कर-करेत्तर और राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक की। बैठक में विभिन्न विभागों की कमजोर प्रगति पर कड़ी नाराजगी जताते हुए उन्होंने स्पष्ट कहा कि विभागीय अधिकारी आपसी सामंजस्य से समस्याओं का समाधान करें, अन्यथा उनकी जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों और तहसीलदारों को निर्देश दिया कि बड़ी आरसी की वसूली प्रतिदिन कराई जाए और उसकी नियमित समीक्षा भी हो।

खनन विभाग की 77 आरसी में 1 करोड़ 11 लाख 52 हजार रुपये की अपेक्षित वसूली के मुकाबले केवल 23 लाख रुपये की प्राप्ति पर जिलाधिकारी ने तीखी नाराजगी व्यक्त की और जिला खनन अधिकारी को शो कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि शत-प्रतिशत वसूली हर हाल में सुनिश्चित की जाए। इसी प्रकार आबकारी विभाग की 56 आरसी में 2 करोड़ 51 लाख रुपये की वसूली में शून्य प्रगति पाए जाने पर जिला आबकारी अधिकारी को भी शो कॉज नोटिस देने के आदेश अपर जिलाधिकारी नगर को दिए गए।

स्टांप वसूली की समीक्षा के दौरान अधूरी जानकारी लेकर बैठक में पहुँचने पर सब रजिस्ट्रार को भी शो कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। वहीं, जीएसटी अनुभाग-5 और 18 से आए अधिकारियों द्वारा आरसी से संबंधित जानकारी उपलब्ध न कराने और एडिशनल कमिश्नर जीएसटी के अनुपस्थित रहने पर उनका स्पष्टीकरण मांगा गया।

जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी वित्त-राजस्व को निर्देशित किया कि प्रतिदिन यह रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए कि किस विभाग की कितनी आरसी की वसूली लंबित है, और उसे सुनिश्चित कराने के लिए तत्काल समीक्षा की जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि राजस्व वसूली में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में अपर जिलाधिकारी नगर डॉ. राजेश कुमार, अपर जिलाधिकारी आपूर्ति, अपर नगर आयुक्त सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के लिये पांच महीने में क्या-क्या हुआ

## फरवरी

पीएम मोदी का अमेरिका दौरा। भारत की तरफ से अमेरिकी ऊर्जा और हथियार खरीदने को लेकर समझौता। 2030 तक व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय।

## मार्च

द्विपक्षीय वार्ता के लिये भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल वाशिंगटन पहुंचे। भारत अमेरिका से आयातित बाइक, व्हिस्की व अन्य उत्पादों पर टैरिफ घटाने को तैयार।

## अप्रैल

ट्रंप ने 2 अप्रैल को लिबरेशन डे घोषित किया। भारत समेत सभी देशों पर 10% आधारभूत टैरिफ और 9 अप्रैल से 26% टैरिफ लगाने की घोषणा की। बाद में 90 दिन की रोक लगाई।

## मई

भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल 20-23 मई को अमेरिकी दौरे पर पहुंचे। अमेरिकी औद्योगिक और कृषि क्षेत्र पर टैरिफ और घटाने पर सहमति बनी। ट्रंप ने तारीफ की।

## जून

ट्रंप और अमेरिकी वाणिज्य मंत्री ने बड़े समझौते की संभावना जताई। भारत की तरफ से अपने कृषि क्षेत्र और डेयरी सेक्टर को विदेशी उत्पादों के लिये न खोलने पर जोर।

## 14-18 जुलाई

भारतीय प्रतिनिधिमंडल फिर अमेरिका पहुंचा। भारत के गैर-कृषि क्षेत्र को और खोलने पर सहमति बनी। अमेरिका की कृषि डेयरी सेक्टर में ज्यादा पहुंच देने की मांग।

## 30 जुलाई

ट्रंप का भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान। रूस से तेल खरीदने के लिये अतिरिक्त जुर्माने की धमकी भी दी।

# उत्तर प्रदेश में बर्ड फ्लू की दस्तक के बाद खौफ का माहौल, 21 दिनों तक बिक्री पर लगा प्रतिबंध

उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में बर्ड फ्लू की दस्तक से खौफ का माहौल हो गया है। बर्ड फ्लू, जिसे एवियन इन्फ्लूएंजा भी कहा जाता है, एक प्रकार का वायरस है जो पक्षियों में पाया जाता है। पक्षियों में होने वाला एक संक्रामक वायरल रोग है। यह जंगली और पालतू दोनों तरह के पक्षियों में फैलता है। यह फ्लू पोल्ट्री और अन्य पक्षी प्रजातियों, जिनमें प्रवासी जलपक्षी भी शामिल हैं, का एक वायरल श्वसन रोग है।न्यूज एजेंसी व विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, रामपुर जिला प्रशासन ने सीहोर गांव के एक पोल्ट्री फार्म में बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा एच5 वायरस) की पुष्टि की है। इसके बाद 21 दिनों के लिए अंडे और अन्य पोल्ट्री उत्पाद की बिक्री और परिवहन पर प्रतिबंध लगा दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है कि यहां 15,000 से अधिक मुर्गियां मर चुकी हैं। इस फ्लू से लोगों में दहशत भी है।

वहीं, जिला मजिस्ट्रेट जोगेन्द्र सिंह ने सोमवार को एक आपातकालीन बैठक बुलाई और जिले भर में चिकन परोसने वाले भोजनालयों सहित सभी चिकन की दुकानों को तीन सप्ताह के लिए बंद करने का आदेश दिया। उन्होंने अगली सूचना तक जिले के भीतर और बाहर पोल्ट्री और पोल्ट्री उत्पादों की आवाजाही पर भी रोक लगा दी है। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति पर नज़र रखने के लिए जिला और बिलासपुर तहसील स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं।

एवियन इन्फ्लूएंजा क्या है?

वायरस से होने वाला एक संक्रमण है। ये फ्लू वायरस पक्षियों में प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं। दुनिया भर के जंगली पक्षी अपनी आंतों में इस वायरस को ले जाते हैं, लेकिन आमतौर पर इससे बीमार नहीं पड़ते। हालाँकि, बर्ड फ्लू पक्षियों में बहुत संक्रामक है और मुर्गियों और बत्तखों सहित कुछ पालतू पक्षियों को बहुत बीमार कर सकता है और उनकी जान ले सकता है।

बर्ड फ्लू वायरस आमतौर पर मनुष्यों को संक्रमित नहीं करते हैं, लेकिन 1997 से बर्ड फ्लू वायरस से मानव संक्रमण के कई मामले सामने आए हैं।

संक्रमित पक्षी अपनी लार, नाक के स्राव और मल (मल) के माध्यम से फ्लू वायरस छोड़ते हैं। संवेदनशील पक्षी दूषित मल या मल से दूषित सतहों के संपर्क में आने पर संक्रमित हो जाते हैं।

ऐसा माना जाता है कि मनुष्यों में बर्ड फ्लू संक्रमण के अधिकांश मामले संक्रमित मुर्गियों या दूषित सतहों के संपर्क में आने से हुए हैं। अभी तक मनुष्य से मनुष्य में संक्रमण का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

अपनी सुरक्षा व बचाव के लिए क्या करें?

सामान्य सावधानी के तौर पर, जब भी संभव हो लोगों को बीमार या मृत जंगली पक्षियों, मुर्गियों, डेयरी गायों और अन्य जानवरों के सीधे संपर्क से बचना चाहिए और उन्हें केवल दूर से ही देखना चाहिए।

यदि आपको बीमार या मृत जंगली पक्षियों, मुर्गियों या अन्य जानवरों के साथ सीधा/निकट संपर्क करना पड़े, तो अनुशंसित व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) पहनें।

जंगली या घरेलू पक्षियों, डेयरी गायों, या एवियन बर्ड इन्फ्लूएंजा ए वायरस संक्रमण की पुष्टि या संदेह वाले अन्य जानवरों के लार, श्लेष्मा या मल से दूषित सतहों या सामग्रियों (जैसे, पशु कूड़े या बिस्तर सामग्री) को न छुएं।

कच्चे दूध या कच्चे दूध से बने उत्पादों को न छुएं और न ही उनका सेवन करें, विशेष रूप से एवियन इन्फ्लूएंजा ए वायरस से संक्रमित या संदिग्ध पशुओं से प्राप्त दूध या ऐसे क्षेत्रों में जहां संक्रमित झुंड हों।

# कैसे लागू होगा आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश, मेयर ने बताया पूरा प्लान

दिल्ली के मेयर राजा इकबाल सिंह ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का स्वागत किया जिसमें आठ हफ्तों के भीतर दिल्ली-एनसीआर के सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को हटाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) इस आदेश को चरणबद्ध तरीके से लागू करेगा। एएनआई से बात करते हुए, दिल्ली के मेयर सिंह ने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लागू करेंगे। एमसीडी के पास 20 शेल्टर होम चल रहे हैं। हम चरणबद्ध तरीके से काम करेंगे - पहले चरण में, हम उन कुत्तों को चुनेंगे जो काटने की संभावना रखते हैं या रेबीज से संक्रमित हैं। बाद में, हम अन्य आवारा कुत्तों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। यह सब गैर सरकारी संगठनों की मदद से किया जाएगा। हम जल्द ही एक हेल्पलाइन शुरू करेंगे।

राजा इकबाल सिंह ने आगे कहा कि दिल्ली-एनसीआर में सभी एजेंसियों के साथ एक बैठक की योजना बनाई जा रही है ताकि कुत्तों से मुक्त क्षेत्र बनाने की दिशा में काम किया जा सके और नसबंदी कार्यक्रम का विस्तार किया जा सके। उन्होंने आगे कहा, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता किसी भी परियोजना के लिए कभी मना नहीं करतीं और वह जनकल्याण के बारे में सोचती हैं। आश्रय गृहों में कुत्तों को पालतू जानवरों जैसा माना जाएगा।

इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आवारा कुत्तों की समस्या को गंभीरता से लिया और दिल्ली-एनसीआर के अधिकारियों को सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को हटाने और उन्हें नगर निकायों द्वारा स्थापित किए जाने वाले समर्पित कुत्ता आश्रयों में रखने का निर्देश दिया। जस्टिस जेबी पारदीवाला और आर महादेवन की पीठ ने कहा कि सभी इलाकों को आवारा कुत्तों से मुक्त किया जाना चाहिए और इसमें कोई समझौता नहीं होना चाहिए। पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी पकड़े गए जानवर को वापस सड़कों पर नहीं छोड़ा जाएगा।

पीठ ने उन सभी व्यक्तियों या संगठनों के खिलाफ अवमानना कार्यवाही का भी आदेश दिया जो अधिकारियों को आवारा कुत्तों को पकड़ने के अभियान में बाधा डालने का प्रयास करते हैं। जस्टिस पारदीवाला ने कहा,

अगर कोई व्यक्ति या संगठन आवारा कुत्तों को पकड़ने या उन्हें पकड़ने में बाधा डालता है, तो हम ऐसे किसी भी प्रतिरोध के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यों और नगर निगम प्राधिकारियों को कुत्तों के लिए आश्रय स्थल बनाने का भी निर्देश दिया, जहां कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण के लिए पर्याप्त कर्मचारी मौजूद हों।

# 15 साल में की 8 शादियां, सबके साथ सुहागरात पर किया 'कांड'; 9वें शिकार में गिरफ्तार

महाराष्ट्र के नागपुर से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां पुलिस ने एक 'लुटेरी दुल्हन' को गिरफ्तार किया है, जिसने कथित तौर पर एक या दो नहीं, बल्कि एक के बाद एक आठ पुरुषों से शादी की और उनसे लाखों रुपए ऐंठ लिए। अधिकारियों के अनुसार, समीरा फातिमा नाम की आरोपी महिला अपने अगले 卐शिकार卐 की तलाश में थी, तभी उसे गिरफ्तार कर लिया गया। वो नौवीं शादी करने से पहले ही पकड़ी गई।

पुलिस जांच में सामने आया है कि समीरा फातिमा मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर अमीर और शादीशुदा मुस्लिम पुरुषों को अपना शिकार बनाती थी। वह खुद को तलाकशुदा और एक बच्चे की मां बताकर भावनात्मक कहानियां सुनाती थी, जिससे लोग उसकी मदद करने और शादी करने को तैयार हो जाते थे।

समीरा फातिमा खुद को तलाकशुदा बताकर सहानुभूति हासिल करती और कहती, 'मुझे सहारा दो, मैं दूसरी पत्नी बनकर रहूंगी'। इस बहाने वह पुरुषों से शादी करती और एक महीने के भीतर झगड़ा कर ब्लैकमेलिंग शुरू कर देती। कोर्ट केस और सेटलमेंट के नाम पर वह लाखों की रकम वसूलती थी। आरोप है कि 2010 से अब तक समिरा ने आठ शादियां कीं और तकरीबन 50 लाख रुपये ऐंठे हैं। पुलिस के पास 10 लाख रुपये की ठगी के पक्के सबूत हैं।

चौंकाने वाली बात यह है कि समीरा फातिमा टीचर है और पढ़ी-लिखी महिला है। पुलिस को शक है कि वह पिछले 15 सालों से इस धोखाधड़ी को अंजाम दे रही थी। वह अकेले नहीं, बल्कि एक संगठित गिरोह के साथ मिलकर यह साजिश रचती थी।

दरअसल, गुलाम पठान (पति) ने मार्च 2023 में उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। उसके बाद से ही पुलिस की नजर समीरा पर थी।29 जुलाई को नागपुर के एक टी-स्टॉल पर वह अपने संभावित नौवें शिकार से मिलने पहुंची, तभी पुलिस ने छापा मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले भी वह एक बार गिरफ्तारी से बचने में कामयाब हो चुकी थी जब उसने झूठा गर्भवती होने का दावा किया था। फिलहाल पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। माना जा रहा है कि समीरा और उसके गैंग के अन्य सदस्य अब तक कई और लोगों को निशाना बना चुके हैं। पुलिस पीड़ितों की तलाश कर रही है ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके।

# हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की :मनोज धामा

इकरार कसगर

गाज़ियाबाद लोनी नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष मनोज धामा पहुंचे लोनी क्षेत्र की राजनगर, पंचवटी, डीएलएफ, एसएलएफ, कृष्ण विहार, लालबाग कॉलोनी में कृष्ण जन्माष्टमी कार्यक्रम में पहुंचे।

इस अवसर पर पूर्व लोनी नगर पालिका अध्यक्ष मनोज धामा का कॉलोनी वासियों ने फूलमाला पहनाकर व बुके देकर जोरदार स्वागत किया।

इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मनोज धामा ने अपने हाथों से श्रीवासुदेव भगवान श्री कृष्ण भगवान की पालकी को झुलाया। व सभी क्षेत्रवासियों के लिए प्रभु से मंगल कामना की।

लोनी नगर पालिका अध्यक्ष मनोज धामा ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे लोनी नगर पालिका क्षेत्र में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बहुत ही धूमधाम से मनाया जा रहा है। जगह-जगह पर मंदिरों में सजावट की गई है व सभी मंदिर रंग बिरंगी रोशन से नहाये हुए है। जिसमें पूर्ण रूप से वातावरण कृष्ण जन्मभूमि जैसा महसूस हो रहा है। पावन पर्व पर मैं सभी क्षेत्रवासियों को कृष्ण जन्माष्टमी बधाई देता हूं, तथा सभी लोगों के जीवन में मंगल कामनाएं आए व जीवन उमंग से भरा रहे, ऐसी वासुदेव भगवान से प्रार्थना करता हूं।

इस अवसर पर मोनू गुरूजी, अजीत पंडित, बबलू तिवारी, संदीप कुमार, कर्ण यादव, प्रदीप चौधरी, राजेश तिवारी, इन्दरमणि पांडे, राजू गुप्ता, उमेश सिंह, मालती देवी, शैली गुप्ता, रजनी तिवारी सहित सैकड़ों की संख्या मे उपस्थित रहे।

# बिलावल भुट्टो को मिथुन चक्रवर्ती ने दिया जवाबज 'खोपड़ी सनक गई तो एक के बाद एक ब्रह्मोस चलेगा'

मिथुन चक्रवर्ती ने मंगलवार को सिंधु जल संधि में बदलाव को लेकर बिलावल भुट्टो ज़रदारी की भारत को दी गई नई धमकी पर पलटवार किया।

कोलकाता में पत्रकारों से बात करते हुए, अभिनेता से नेता बने इस अभिनेता ने कहा, अगर ऐसी बातें करते रहेंगे और हमारी झोपड़ी सनक गई, तो फिर एक के बाद एक ब्रह्मोस चलेगा। व्यंग्यात्मक लहजे में, चक्रवर्ती ने आगे कहा, हमने एक ऐसा बाँध बनाने के बारे में भी सोचा है जहाँ 140 करोड़ लोग पेशाब करेंगे। उसके बाद, हम बाँध खोल देंगे और सुनामी आ जाएगी। मुझे पाकिस्तान के लोगों से कोई शिकायत नहीं है। मैंने यह सब उनके (बिलावल भुट्टो) लिए कहा है।

बिलावल भुट्टो ने मंगलवार को दावा किया था कि सिंधु जल संधि का निलंबन देश, खासकर सिंध, के इतिहास, संस्कृति और सभ्यता पर हमला है।एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, बिलावल ने कहा, अगर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिंधु नदी पर हमले की घोषणा करते हैं, तो वे हमारे इतिहास, हमारी संस्कृति और हमारी सभ्यता पर हमला करते हैं। उन्होंने आगे कहा, पाकिस्तान के लोगों में युद्ध की स्थिति में मोदी का सामना करने की ताकत है।

बिलावल की यह टिप्पणी पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर द्वारा अमेरिकी धरती से परमाणु धमकी जारी करने के कुछ ही घंटों बाद आई है। मुनीर ने कहा था कि अस्तित्व पर खतरा होने की स्थिति में इस्लामाबाद अपने परमाणु हथियारों का इस्तेमाल भारत सहित आधी दुनिया को नष्ट करने के लिए कर सकता है।

पहलगाम आतंकी हमले, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, के बाद भारत ने अप्रैल में 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि यह समझौता बहाल नहीं किया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान की बार-बार की परमाणु धमकियां उसके परमाणु कमान की सुरक्षा के बारे में संदेह को और मजबूत करती हैं। मंत्रालय ने कहा कि भारत परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा।

बिलावल की यह पहली चेतावनी नहीं है, जून में उन्होंने पाकिस्तानी संसद को बताया था कि अगर सिंधु नदी के जल का हिस्सा नहीं दिया गया तो देश युद्ध करेगा। इससे पहले, पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने भारत को परमाणु धमकी देते हुए चेतावनी दी थी कि अगर नई दिल्ली ने नदी के जल का प्रवाह मोड़ा तो बुनियादी ढाँचे को नुकसान पहुँचेगा।

# कबूतर का इंसानों के आसपास होना खतरनाक क्यों? बीट से जान जाने का खतरा?

कबूतर प्रेमियों को हाल ही में सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका मिला है। उन्हें दाना खिलाने पर स्रद्धक्रके आदेश पर रोक से इनकार किया गया है।

इस बीच सवाल उठने लगे हैं कि क्या इंसानों के आसपास कबूतरों का होना खतरनाक है? क्या उनके बीट से संक्रमण होता है? क्या ये जानलेवा साबित हो सकता है? चलिए इन सवालों से जुड़े जवाब बताते हैं।

दरअसल, बहुत से लोग अपने छत या घर की बालकनी में कबूतरों को दाना डालते हैं। लेकिन कबूतरों की सूखी बीट (मल) इंसानों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बना सकता है।

कबूतर का बीट दिखने में बेहद सामान्य लगता है। डॉक्टर्स के मुताबिक, इसमें खतरनाक बैक्टीरिया और फंगस हो सकते हैं। इनमें क्रिप्टोकोकस, हिस्टोप्लास्मोसिस और क्लैमाइडिया सीटासी जैसे जीव शामिल हैं।सूखी बीट हवा में उड़ने के दौरान इसमें मौजूद फंगल स्पोर्स सांस के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। इस वजह से सांस लेने में दिक्कत हो सकती है।

कबूतर की बीट से फेफड़ों और दिमाग की झिल्ली में सूजन और सिटाकोसिस जैसी बीमारी हो सकती है। बता दें कि सिटाकोसिस एक फ्लू जैसी बीमारी है जिसमें तेज बुखार, सिर दर्द और सांस लेने में तकलीफ होती है।

कबूतर की बीट में साल्मोनेला बैक्टीरिया होता है जो दस्त और पेट से जुड़ी दिक्कतों की वजह बन सकता है।

# विशिष्ट बी टी सी शिक्षकों ने किया आक्रोश व्यक्त

कानपुर। विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक जिला कार्यालय बर्रा दो में 2004 बैच के शिक्षकों को अभी तक पुरानी पेंशन का लाभ न देने पर रोष व्यक्त करने के साथ प्रारम्भ की गई। विशिष्ट बी टी सी 2004 बैच के शिक्षकों का विज्ञापन जनवरी फ़रवरी माह वर्ष 2004 में 46, हज़ार पदों के सापेक्ष्य हुआ था छह माह का प्रशिक्षण भी मार्च 2005 तक पूर्ण हो चुका था परंतु विभाग द्वारा समय पर परीक्षा न आयोजित करने के कारण विशिष्ट बी टी सी प्रमाण पत्र समय पर नहीं मिल सका था।

उत्तर प्रदेश सरकार के शासनादेश के अनुसार यदि जिन पदों का विज्ञापन नई पेंशन नीति लागू होने के पूर्व हो चुका है न तो और पदों पर चयनित शिक्षकों कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का लाभ देय होगा परंतु बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा इस बात को निरंतर नकारा जा रहा है विधान परिषद उत्तर प्रदेश में भी कानपुर उन्नाव खंड स्नातक क्षेत्र के एम एल सी माननीय अरूण पाठक जी ने इस विषय को उठाया परंतु विभाग द्वारा नकारात्मक उतार ही दिया गया लगाया कहा गया कि विशिष्ट बी टी सी का विज्ञापन प्रशिक्षण का विज्ञापन था नियुक्ति का विज्ञापन नहीं था जबकि शिक्षकों का यह कहना है कि विशिष्ट बी टी सी 2004 बैच के शिक्षकों का मात्र विज्ञापन वर्ष 2004 जनवरी एवं फ़रवरी माह में राज्य शैक्षणिक एवं अनुसंधान परिषद द्वारा निकाला गया था इसके पश्चात कोई भी विज्ञापन विभाग ने नहीं निकाला था।

राज्य शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण अनुसंधान परिषद के द्वारा जारी जनवरी एवं फ़रवरी माह , वर्ष 2004 में विज्ञापन को ही नियुक्ति का विज्ञापन मानना चाहिए लेकिन विभाग इस शासनादेश के लागू होने के पूर्व के माननीय उच्च न्यायालय के अन्य केसों का हवाला देकर शिक्षकों को पुरानी पेंशन देने से इंकार कर रहा है विभाग का कहना है प्रदेश संयुक्त मंत्री डॉ. आशीष कुमार दीक्षित ने कहा कि विशिष्ट बीटीसी शिक्षकों के भविष्य को लेकर संगठन न केवल चिंतित है बल्कि जनप्रतिनिधियों के माध्यम से अपनी बात उचित पटल पर निरंतर रख भी रहा है।

बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने कानपुर उन्नाव खण्ड के स्नातक विधायक अरुण पाठक का सदन में विशिष्ट बीटीसी शिक्षकों की बात रखने के लिए आभार व्यक्त किया गया। बैठक के दौरान शिक्षकों के स्थानांतरण एवं पदोन्नति आदि पर भी चर्चा हुई।

बैठक में अभय मिश्र, डा आशीष कुमार दीक्षित, पीताम्बर पाल, मलय कुमार गुप्ता, नीलम मिश्रा सलिता सिंह, विमल तिवारी, रीता झा, प्रीति तिवारी, सुधा गौतम, नीतू पाण्डेय, अरूण कुमार झा, जी पी मिश्रा, अजय कोरथा इत्यादि उपस्थित रहे।

# 79वें स्वतंत्रता दिवस पर बृक्षारोपण व झंडारोहण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। ब्रम्हाकुमारीज, कानपुर नगर की ओर से भारत की आजादी के 78वर्ष पूरे होने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बृक्षारोपण व झंडारोहण कार्यक्रम का आयोजन शिव ज्ञान सरोवर, तुलसीनगर, कानपुर में किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अथिति के रूप में शरद प्रकाश अग्रवाल आयकर अधिकारी, भारत सरकार ने सपत्नीक औषधीय पौधों का रोपण किया तथा 79वें स्वत्रंता दिवस के अवसर पर झंडारोहण किया तथा सामूहिक राष्ट्रगान सम्पन्न हुआ। उन्होंने राष्ट्रीय एकता, देशप्रेम, त्याग व बलिदान के बाद प्राप्त आजाद भारत को अध्यात्मिक बल व नव सृजन के साथ भारत को विश्वगुरु बनने की दिशा में सबको मिलकर साथ देने का संकल्प दिलाया।

तत्पश्चात समाजसेवी लेखिका एवं कवियत्री सीमा अग्रवाल जागृति ने तिरंगा है मेरा अभिमान, जब जब वक्त पड़ेगा हम दे देगें अपनी जान, कविता प्रस्तुत करते हुये पर्यावरण सुधारने हेतु अधिक से अधिक वृक्षो का रोपण पर बल दिया। काकादेव की प्रभारी वीके अर्चना दीदी ने शिव परमात्मा के ज्ञान पवित्रता सुख शांति का संदेश दिया। आजादी में स्वत्रंतता संग्राम सेनानियों के योगदान को याद किया तथा कहा सच्ची आजादी में बुराइयों अर्थात पाँच विकारों को दूर करने हेतु सहज राजयोग सीखने का आवाहन किया। उन्होंने बताया कि प्रकाशमणि दादीमाँ की स्मृति में पूरे देश में अगस्त माह में रक्तदान का आयोजन किया जाएगा, जिसके तहत 24 अगस्त, 2025 को सिंधी धर्मशाला, शास्त्री नगर कानपुर में भी रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम का आयोजन संचालन राजेन्द्र श्रीवास्तव भाई तथा आभार सीए रीतेश कटियार भाई द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सरिता दीदी, बी0एल0 गुलाबिया, सुनील सुमन, सीमा जागृति, ओमप्रकाश शर्मा, शैलेन्द्र सिंह, अर्जुन सिंह, शुभम सिंह, जसवंत सिंह आदि उपस्थित रहे।

# भारत सेवक समाज के 74वें स्थापना दिवस पर पौधों का वितरण कर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई चिंतन संगोष्ठी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारत सेवक समाज के 74वें पर स्थापना दिवस पर चिंतन संगोष्ठी का आयोजन मलिक गेस्ट हाउस, रामा देवी, कानपुर में भारत सेवक समाज, कानपुर मंडल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह मलिक की अध्यक्षता में सफलतपूर्वक सम्पन्न हुआ।

संस्था महामंत्री शरद प्रकाश अग्रवाल (आयकर अधिकारी) ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं अन्य अतिथियों का अंगवस्त्र एवं पौधा वितरण कर स्वागत करते हुये संस्था पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर देशभक्ति का काव्य पाठ भी किया गया।उसके बाद भारत सेवक समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी केशवानंद, प्रदेशीय अध्यक्ष शिक्षक विधायक राजबहादुर सिंह चंदेल एवं चैयरमैन पूर्व आई.ए.एस गोपबंधु पटनायक के प्राप्त संदेश की जानकारी देते हुये कहा कि भारत सेवक समाज, राष्ट्र एवं समाज की रचना, निर्माण, सेवा और सहायता का एक गैर राजनैतिक स्वैच्छिक संगठन है, अपना भारत देश विशाल जनसंख्या वाला देश है। देशवासियों का हक है कि वे सभी शिक्षित, सुखी, एवं सम्मान के साथ जीवन जिये। देश की सरकार इस कार्य के लिये प्रयत्नशील है। बहुत अंश में समस्त प्रजा तक सुख सुविधा पहुचने में सरकार सफल भी हो रही है।भारत सेवक समाज संगठन की कल्पना आजादी के तुरंत बाद राष्ट्र के नेताओं ने महसूस की। जिसकी स्थापना 12 अगस्त 1952 को तत्कालीन योजना आयोग के उपाध्यक्ष श्रदेय गुलजारी लाल नंदा जैसे राजनैतिक संत द्वारा दल-वर्ग से ऊपर उठकर की गई थी। सत्तर वर्षों से भारत सेवक समाज देश के अनेक प्रदेशों में समाज सेवी कार्यकर्ताओं को संगठित करके जनसहयोग से अभावग्रस्त नागरिकों तक अपनी सेवा पहुँचाने के लिये प्रयत्नशील है। प्रारम्भ में सरकारी सहयोग मिला, परन्तु बाद में भारत सेवक समाज के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकरियों को अपने ही सामर्थ्य से समाज की सेवा करनी पड़ रही है।अध्यक्ष ने कहा कि इस समय देश, प्रदेश सहित प्रत्येक मंडल एवं जनपद की टीम का पुनर्गठन का कार्य प्रगति पर है, इसमें जुड़ने हेतु हम निस्वार्थ समाजसेवी लोगों को सादर आमंत्रित करते है।

इस संगोष्ठी में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय बैंक नेता रजनीश गुप्ता( अध्यक्ष-कर्मचारी कल्याण समन्वय समिति), विशिष्ट अतिथि देहदान अभियान के प्रमुख मनोज सेंगर एवं सिविल डिफेंस की डिवीजनल वार्डेन सीमा अग्रवाल जागृति, स्वागताध्यक्ष राजेन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, कार्यक्रम संयोजक सुशील बाजपेई, सहसंयोजक अमित श्रीवास्तव, प्रमोद गुप्ता, सर्वेश तिवारी, प्रवीण मिश्रा, अरविन्द द्विवेदी, प्रदीप भाटिया, एस0 के साहू, प्रमोद खन्ना, जे0पी0 अग्रवाल, सियाराम यादव, अशोक मिश्रा, सर्वेश वर्मा, मुनींद्र नाथ, नरपत चौहान, अनिल मिश्रा, डी0 के0 पांडेय, नरोत्तम त्रिवेदी, प्रेम गुप्ता, काशी राम सागर, अजय शुक्ला, अनिल गुप्ता आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। अन्त में आभार अध्यक्ष सुखबीर सिंह मलिक तथा सफल संचालन महामंत्री शरद प्रकाश अग्रवाल द्वारा किया गया।

# फतेहपुर मे मजार तोड़ने की पीडीए टीम ने कटु निंदा की: हाजी फजल महमूद

बीपीएस न्यूज

कानपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की दिल्ली में लोकसभा से चुनाव आयोग जाते समय धरने मे बैठने पर गिरफ्तार किए जाने के विरोध में सपा महानगर के अध्यक्ष हाजी फजल महमूद के नेतृत्व में सपा पीडीए कार्यकर्ताओं ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया और

महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद में संबोधन में कहा कि पीडीए ने ठाना है।एस आई आर वापस करवाना है भाजपा सरकार देश को सीमित आपातकाल की ओर ले जा रही है जिसके कारण भाजपा संविधान और लोकतंत्र की अनदेखी कर मनमानी कर रही है। सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने अपने संबोधन में आगे कहा कि यदि सरकार ने तानाशाही प्रवृत्ति ना रोकी और एस आई आर वापस न किया तो सपा महानगर 78 वार्डो पर व्यापक आंदोलन आरंभ करेंगी।अध्यक्ष फजल महमूद ने संबोधन मे कहा कि एस आई आर से ध्यान बाटने के लिए भाजपा की हिंदू महासभा ने फतेहपुर मे मस्जिद मे घुसकर कर दो मजारे तोड़कर अशान्ति फैलाने का कुचक्र रचने की पीडीए ने कटु निंदा कर उक्त कार्य को जनता के हितो के विरुद्ध बताया।विरोध करने वालो मे प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद,प्रदेश सचिव के के शुक्ला,वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू,रजत मिश्रा,शादाब आलम,दीपक खोटे,राजेंद्र सोनकर,प्रवीण मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

# न्यू इण्डिया चर्च ऑफ गॉड, कानपुर के 27 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर वार्षिक समारोह का आयोजन

कानपुर, न्यू इण्डिया चर्च ऑफ गॉड, कानपुर के 27 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चर्च के द्वारा सिंघी संघ धर्मशाला, गोविन्द नगर में वार्षिक समारोह का आयोजन प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी किया गया। जिसमें चर्च के लोगो के द्वारा परमेश्वर की आराधना की गयी। साथ ही चर्च के तमाम छोटे बच्चों की क्वायर के द्वारा परमेश्वर की महिमा में विशेष गीत गाये गये। तू है महान सर्व शक्तिमान, तेरे जैसा कोई नही है, यीशु तू है दया का सागर इत्यादि गीत गाये गये। क्वायर का संचालन रोहित जॉन, मनीष जेम्स व अंकित मसीह ने किया। न्यू इण्डिया चर्च ऑफ गॉड के 27 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कानपुर शहर के तमाम पादरीगण व मसीह समाज के लोगो ने इस वार्षिक समारोह मे भाग लिया और चर्च के प्रमुख पादरी जितेन्द्र सिंह को उनके कार्यों के लिये बधाई दी।मुख्य अतिथि के रूप में विधायक महेश त्रिवेदी के द्वारा उपस्थित तमाम लोगो को शुभकामनायें देते हुये उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर एक दूसरे की भलाई के लिये कार्य करें। विशेष अतिथि के रूप में विधायक श्री सुरेन्द्र मैथानी जी भी आये एवं उन्होंने मसीह समाज के कार्यों के लिये चाहे वो शिक्षा के क्षेत्र में हो या स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो किये गये कार्यो के लिये सराहना की। चर्च के लोगो ने आये हुये अतिथियो का बुके देकर व शाल पहनाकर स्वागत किया। क्राइस्ट चर्च के प्रमुख पादरी रेव्ह संतोष पाण्डेय जी ने परमेश्वर के वचन से संदेश दिया कि हम सब आपस में प्रेम करे और प्रेम से एक दूसरे की उन्नति का कारण बनें।उपस्थित तमाम लोगो में पादरी जितेन्द्र सिंह, पादरी ए.बी. सिंह, पादरी अनिल गिलवर्ट, पादरी हरी सिंह, पादरी ब्रजेश कुमार, पादरी भीम सिंह, पादरी राकेश मसीह, पादरी प्रदीप सिंह, पादरी संदीप मसीह,पादरी रोहन मैसी,पादरी इन्द्र कुमार दास, पादरी संजय आल्विन, पादरी सैमसन मसीह, पादरी जितेन्द्र कुमार एवं तमाम अन्य लोग भाई मुकेश वर्मा, विजय श्रीवास्तव, अश्विन,भाई अमित पॉल, संजीव मसीह,मनोज,भाई सुनील कुमार, भाई संजय मसीह व अन्य लोग सम्मिलत हुये।

# भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी करप्शन से कार्यवाही करवाना दिव्यांग महिला को पड़ रहा भारी

कानपुर। विधनू ब्लॉक में कार्यरत सफाई कर्मचारी दिव्यांग प्रमिला यादव को विकास भवन में सम्बद्ध ग्राम विकास अधिकारी के विरुद्ध भ्रष्टाचार की शिकायत करना अब भारी पड़ता जा रहा है। प्रमिला यादव ने इलाज का पैसा भुगतान करने के लिए विकास भवन में लिपिक का काम देख रहे राजू चंद्रा को उत्तर प्रदेश पंचायती राज सफाई कर्मचारी संघ के ब्लॉक अध्यक्ष राजेश तिलकधारी के माध्यम से 30000 दिया था। राजेश तिलकधारी ने यह कहा था कि राजीव चंद्रा और पैसा मांग रहा हैं।जिसकी शिकायत प्रमिला यादव ने राज एंटी करप्शन विभाग से 15 जुलाई को की थी एंटी करप्शन ने राजू चंद्रा को रंगे हाथ पकड़ कर जेल भेज दिया था। अब राजेश तिलकधारी राजू चंद्रा को बचाने के लिए ग्राम विकास अधिकारी व ग्राम प्रधान दलेलपुर को दबाव में लेकर प्रमिला यादव को ड्यूटी पर होते हुए भी अनुपस्थित दिखाकर वेतन कटवा रहा है। प्रमिला यादव राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार के कार्यालय में पहुंची और उनसे मिलकर अपनी समस्या बताई। वीरेन्द्र कुमार ने सहायक आयुक्त दिव्यांगजन, जिलाधिकारी कानपुर नगर को पत्र भेज कर प्रमिला यादव को न्याय प्रदान करने का अनुरोध किया है।वीरेंन्द्र कुमार ने कहा कि अगर दिव्यांग प्रमिला यादव का उत्पीड़न करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही नहीं होती है तो राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध सड़कों पर उतरेगी।

# स्वतंत्रता दिवस पर संकल्प है कि लोकतंत्र की रक्षा के लिये वोट चोरों के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी :एडवोकेट सुधांशु मिश्रा

कानपुर, किदवई नगर विधानसभा के वार्ड 18 उस्मानपुर कालोनी ब्लॉक 14 में स्वतंत्रता दिवस अवसर पर झंडा रोहन समाजवादी पार्टी किदवई नगर विधानसभा प्रभारी सुधांशु मिश्रा एडवोकेट द्वारा किया गया लड्डू मिठाई खिलाकर एक दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी

सुधांशु मिश्रा ने कहा आज स्वतंत्रता दिवस अवसर पर हम सभी साथियों ने संकल्प लिया की बेईमान भ्रष्ट सरकार के खिलाफ हक की लड़ाई जारी रहेगी तथा सत्ता में बैठे इन वोट चोरो से देश को बचाने के लिये सावधानी के साथ लोकतंत्र की रक्षा के लिये हम सब एक जुट होकर इनको सबक सिखाने का काम करेंगे !झंडा रोहन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मेराज अहमद, इशरत अली, प्रशांत बाजपेई, रियाज़ अहमद, शाहिद सुल्तान,एजाज अहमद,कमर आलम,सुरेश सौरभ गुप्ता, आशीष गुप्ता विशाल कनौजिया अरशद मोहम्मद जैद, मोहम्मद शफात आदि बहुत से साथी मौजूद रहें!

# कलेक्ट्रेट में डीएम ने किया ध्वजारोहण, कहा कानपुर की धरती ने दिए अनेक वीर सपूत

## 79वाँ स्वतंत्रता दिवस उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में ध्वजारोहण कर समारोह की शुरुआत की। ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्रगान का सामूहिक गायन हुआ और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में कानपुर का विशिष्ट स्थान रहा है। यहाँ के अमर शहीदों ने अपने प्राणों की आहुति देकर आज़ादी की नींव मजबूत की। उन्होंने कहा कि कानपुर की धरती ने अनेक वीर सपूत दिए हैं, जिन्होंने अपने रक्त से आज़ादी के वृक्ष को सींचा और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों का आह्वान किया कि वे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ। इस दौरान डीएम ने चंदन के पौधे का रोपण भी किया।जिलाधिकारी ने सत्येंद्र सिन्हा, हरिराम गुप्ता, राम कुमार स्वतंत्र, राम कुमार निगम, मानवेंद्र गुप्ता, पवन मिश्रा इत्यादि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को सम्मानित किया।कार्यक्रम में एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार, एडीएम वित्त एवं राजस्व डॉ. विवेक चतुर्वेदी, एडीएम खाद्य एवं आपूर्ति आशुतोष दुबे सहित विभिन्न अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजन भी शामिल हुए जिन्हें सम्मानित कर उनकी भावनाओं को नमन किया गया।

# स्वतंत्रता दिवस पर पटकापुर स्वच्छता समिति द्वारा किया गया ध्वजारोहण

कानपुर। पटकापुर स्वच्छता समिति के द्वारा 79वें स्वतंत्रता दिवस पर पूर्व पार्षद आमोद त्रिपाठी द्वारा क्षेत्रीय नागरिकों के साथ मिलकर झंडा रोहण किया गया। राष्ट्रगीत के बाद भारत माता की जय, वंदे मातरम के नारे लगाए। उसके पश्चात छोटे-छोटे बच्चों द्वारा मनोरंजन प्रोग्राम किए गए। बच्चों ने अपनी अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया।वरिष्ठ नागरिकों ने अंग्रेजों से लड़ते हुए देश पर शहीद हुए महापुरुष बलिदानियों के बारे में जानकारी दी। साथ ही देश भक्ति पर गीत गाकर झंडा रोहण कार्यक्रम को सुंदर रूप प्रदान किया। क्षेत्र की महिलाओं ने भी देश भक्ति पर गीत गाया। झंडारोहण कार्यक्रम में मुख्य रूप से समिति के संरक्षक कमल चंद बाजपेई, रमेश चंद्र बाजपेई, सुरेश चंद बाजपेई, राजवर्धन मिश्रा, अध्यक्ष अरुण कुमार अस्थाना, महामंत्री दीपक निगम, मंत्री गीता

पांडे, रानी त्रिवेदी, मनीष अस्थाना, पारस शुक्ला, मनीष अग्रहरि, एवं अंजलि भक्त मंडल के संरक्षक विक्रम अवस्थी एवं राजकमल सिंह, सतीश चंद्र शर्मा आदि क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

# 10 वर्ष की मोदी सरकार में मजदूरों के लिए कोई लाभकारी योजना नहीं लागू की गई

कानपुर। समाजवादी मजदूर सभा की कानपुर महानगर की मासिक कार्यकारिणी की बैठक नवीन मार्केट स्थित कार्यालय में आज सम्पन्न हुई। बैठक में मजदूरों की समस्याओं व उनके निदान पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश सचिव शेषनाथ यादव ने की। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि सुनील यादव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष छात्र सभा ने मजदूर सभा के कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक कमेटी गठन करने के लिए महानगर अध्यक्ष सोनू वर्मा को बधाई दी, एवं आगामी विधानसभा चुनाव में मजदूर सभा के लिए समाजवादी पार्टी को मजबूत प्रदर्शन हेतु मजदूर सभा के महत्वपूर्ण योगदान का मंत्र दिया।

महानगर अध्यक्ष सोनू वर्मा ने कहा कि 10 वर्ष की मोदी सरकार में मजदूरों के लिए कोई लाभकारी योजना नहीं लागू की गई। सरकार पूरी तरह से मजदूरों के लिए विनाशकारी साबित हुई है। सरकार का मकसद उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने का है। कार्यक्रम को प्रदेश सचिव रविन्द्र सिंह ने सम्बोधित किया।समाजवादी मजदूर सभा के कार्यकर्ता व पदाधिकारी अपने के साथ कलेक्टर कार्यालय में 18 अगस्त को धरना तथा ज्ञापन देने का काम करेंगे।कार्यक्रम में राजू पाल, पुष्पा श्रीवास्तव, निर्मल यादव, रविंद्रर सिंह, बलिंदर यादव, वारिस, सोनू खान, महबूब आलम, संजय शर्मा, विक्की खेड़ा, राजेंद्र पाल प्रसाद पुष्पा श्रीवास्तव, निर्मल यादव, महेंद्र सिंह, महबूब आलम,सजीव शर्मा, मो लतीफ, सोनू खान आदि मौजूद रहे।

# बिजली बिलों की गड़बड़ियों पर सख्ती, उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

## उपभोक्ता संतुष्टि को विभाग की प्राथमिकता बनाया जाए:मंत्री ए के शर्मा

बीपीएस न्यूज

लखनऊ/कानपुर। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने कानपुर में विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ केस्को ऑफिस सभागार में समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने उपभोक्ताओं की समस्याओं पर गंभीरता से चर्चा की और आवश्यक निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि विद्युत बिलों में गड़बड़ियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपभोक्ताओं से आ रही शिकायतों का तत्काल निस्तारण किया जाए। यदि किसी उपभोक्ता को बिल में त्रुटि की समस्या आती है और समय से उसका समाधान नहीं होता है, तो संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

शर्मा ने अधिकारियों को हिदायत दी कि सभी उपभोक्ताओं को हर हाल में सुरक्षित एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिले। उन्होंने कहा कि शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ-जहाँ लटके तार या जर्जर लाइनें हैं, उन्हें तुरंत सही किया जाए। बरसात और आपदा के समय उपभोक्ताओं की सुरक्षा सर्वोपरि है, इसलिए सभी सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित किए जाएं।ऊर्जा मंत्री ने यह भी निर्देशित किया कि सभी ट्रांसफॉर्मरों और विद्युत लाइनों की नियमित जाँच की जाए। लाइन लॉस रोकने और चोरी पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। जनता की शिकायतों के समाधान हेतु हेल्पलाइन और कैंपों के माध्यम से त्वरित कार्यवाही की जाए। उपभोक्ता संतुष्टि को विभाग की प्राथमिकता बनाया जाए।

बैठक के दौरान शर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि लापरवाही/शिथिलता कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा जनता को बेहतर सुविधाएं देने की है और इसमें कोई भी बाधा स्वीकार्य नहीं है। ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे टीम भावना के साथ कार्य करें और जनता को ऐसी व्यवस्था दें जिससे उन्हें यह महसूस हो कि सरकार उनके साथ खड़ी है।बैठक के दौरान डायरेक्टर, मुख्य अभियंता, अधिशासी अभियंता, एवं अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सभी लोगों को जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं

विज्ञापन कार्यालय-130/
4 - बाबू पुरवा कॉलोनी,
किदवई नगर, कानपुर

नवीन गुप्ता
(विज्ञापन प्रतिनिधि)

बीपीएस न्यूज समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) में विज्ञापन लगवाने के लिए संपर्क करें। मो. 9839625941

सभी लोगों को जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं

सभी लोगों को जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनों के अंदर भेजें।